Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 06, अंक 168 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | रायपुर, मंगलवार 23 जुलाई 2024 | www.samaydarshan.in

सार समाचार

विकसित भारत की चुनौती से निपटने के लिए घरेलू विकास जरूरी; नीतियां व्यावहारिक हों-मुख्य आर्थिक सलाहकार

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रास्ते पर और स्थिर स्थिति में है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह दावा सरकार की ओर से आर्थिक सर्वे जारी करने के बाद की है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के अनुसार, ठहराव बावजूद निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में तेजी आई है।

सीईए के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत रास्ते पर और स्थिर स्थिति में है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने यह दावा सरकार की ओर से आर्थिक सर्वे जारी करने के बाद की है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) के अनुसार, ठहराव के बावजूद निजी पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में तेजी आई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने भविष्यवाणी की है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषि क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करेगा। इसके अतिरिक्त, औद्योगिक विकास में भी व्यापक आधार पर तेजी की उम्मीद है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने कहा है कि उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं ने मई 2024 तक महत्वपूर्ण परिणाम दिया है। ये योजनाएं गति प्राप्त कर रही हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों में पर्याप्त प्रगति दिखा रही हैं।

यूपी सरकार का फैसला रोका, कहा- भोजन शाकाहारी है या मांसाहारी यह बताएं

कांवड़ रूट की दुकानों पर नेमप्लेट जरूरी नहीं:सुप्रीम कोर्ट

दिल्ली/लखनऊ (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा रूट पर दुकानदारों को अपनी पहचान बताने को लेकर कई राज्य सरकारों के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है।

कोर्ट ने सोमवार, 22 जुलाई को कहा कि दुकानदारों को पहचान बताने की जरूरत नहीं है। होटल चलाने वाले यह बता सकते हैं कि वह किस तरह का खाना यानी, शाकाहारी या मांसाहारी परोस रहे हैं। लेकिन उन्हें अपना नाम लिखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

अदालत ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया है। उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक जवाब देने को कहा है।

तीनों राज्यों में कांवड़ यात्रा के रूट पर दुकान मालिकों को अपना नाम लिखने का आदेश दिया गया था। इसके खिलाफ एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स नाम के हृत्तह्व ने 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

याचिकाकर्ता के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अल्पसंख्यकों की पहचान के जरिए उनका आर्थिक बहिष्कार किया जा रहा है। यह चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट में मामले पर 26 जुलाई को अगली सुनवाई होगी।

पुलिस ने कहा 17 जुलाई को मुजफ्फरनगर के एसएसपी अभिषेक सिंह ने कहा कि जिले के करीब 240 किमी एरिया में कांवड़ मार्ग पड़ता है। सभी होटल, ढाबा, दुकान और ठेले, जहां से कांवड़िए खाने का सामान खरीद सकते हैं, सभी को अपनी दुकान के बाहर मालिक का नाम और नंबर साफ अक्षरों में लिखना पड़ेगा।

ऐसा करना इसलिए जरूरी था, ताकि कांवड़ियों में कोई कन्फ्यूजन न रहे और कानून व्यवस्था में बाधा न आए। सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए ये कदम उठाना जरूरी था।

मुजफ्फरनगर पुलिस का आदेश, जिसमें लिखा है कि होटल-ढाबा और दुकान मालिक अपना और स्टाफ का नाम लिखें।

मुजफ्फरनगर पुलिस का आदेश, जिसमें लिखा है कि होटल-ढाबा और दुकान मालिक अपना और स्टाफ का नाम लिखें।

सरकार ने कहा मुजफ्फरनगर पुलिस का आदेश सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद 19 जुलाई को सरकार ने इसे पूरे राज्य में लागू कर दिया। सरकार के मुताबिक, कांवड़ियों की शुचिता बनाए रखने के लिए ये फैसला लिया गया है। हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

यूपी सरकार के पहचान बताने के आदेश के बाद यूपी पुलिस ने दुकानदारों के नाम लिखकर चस्पा किए थे।

यूपी सरकार के पहचान बताने के आदेश के बाद यूपी पुलिस ने दुकानदारों के नाम लिखकर चस्पा किए थे।

यूपी के बाद 20 जुलाई को उत्तराखंड और मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी कांवड़ यात्रा रूट पर आने वाली दुकानों में दुकानदारों का नाम और मोबाइल नंबर लिखना जरूरी कर दिया गया था। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि कुछ लोग अपनी पहचान छिपाकर दुकान खोलते हैं।

इकोनॉमिक सर्वे- सिलेंडर सस्ता होने से ईंधन महंगाई घटी

जीडीपी ग्रोथ 7 प्रतिशत रहने का अनुमान, हर साल 78.5 लाख नौकरियों की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इकोनॉमिक सर्वे में कहा गया है कि सरकार ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की। इससे रिटेल ईंधन महंगाई दर एफवाय 24 में नीचे बनी रही। वहीं इसमें वित्त वर्ष 2025 के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.5 से 7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

इकोनॉमिक सर्वे में ये भी कहा गया है कि बढ़ती वर्कफोर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए सालाना लगभग 78.5 लाख नौकरियां पैदा करने की जरूरत है। वित्त मंत्री ने आज यानी, सोमवार 22 जुलाई को लोकसभा में इकोनॉमिक सर्वे पेश किया।

वित्त मंत्रालय का आर्थिक मामलों का विभाग हर साल केंद्रीय बजट से ठीक पहले संसद में इकोनॉमिक सर्वे पेश करता है। इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किया जाता है। सर्वे में पिछले 12 महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था में हुए डेवलपमेंट

की रिव्यू होता है।

ग्लोबल एनर्जी प्राइस इंडेक्स में एफवाय 24 में गिरावट आई। सरकार ने एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की। इससे रिटेल ईंधन महंगाई दर एफवाय अ24 में नीचे बनी रही। अगस्त 2023 में, एलपीजी कीमतों में 200 रुपए/सिलेंडर की कटौती की गई थी। वहीं मार्च 2024 में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2 रुपए/लीटर की कटौती की। एग्रीकल्चर सेक्टर को खराब मौसम, घटते जलाशयों और फसलों के नुकसान के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

संसद में नीट पर हंगामा :राहुल बोले- देश का एग्जामिनेशन सिस्टम फ्रॉड, शिक्षा मंत्री ने कहा- चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में हृश्वश्व्ञ पेपर लीक को लेकर राहुल गांधी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के बीच बहस हुई। मानसून सत्र आज से शुरू हो गया। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान हृश्वश्व्ञ में हुई गड़बड़ी पर बोल रहे थे। इस दौरान विपक्ष ने हंगामा किया और उनके इस्तीफे की मांग की।

शिक्षा मंत्री बोले- मामला सुप्रीम कोर्ट में है और कोर्ट का जो भी निर्देश होगा हम उसे मानेंगे। कोर्ट ने सभी छात्रों के सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी करने को कहा था, जो पब्लिक डोमेन में है।

राहुल गांधी ने कहा- देश को दिख रहा है कि परीक्षा सिस्टम में बहुत सी कमी है। शिक्षा मंत्री ने सबकी कमी गिना दी, लेकिन अपनी नहीं गिनाई। हमारा एग्जाम सिस्टम फ्रॉड है।

इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा- सिर्फ चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाता। विपक्ष के नेता का

यह कहना कि देश की परीक्षा प्रणाली बकवास है, बेहद निंदनीय है।

प्रधान ने कहा- 2010 में मनमोहन सिंह सरकार में कपिल सिब्बल शिक्षा सुधार के लिए 3 बिल लाए। उनमें से एक अनियमितता रोकने के लिए था। उसे किसके दबाव में वापस लिया गया।

क्या यह निजी मेडिकल कॉलेजों के दबाव के कारण था? और वे (राहुल गांधी) हमसे सवाल पूछ रहे हैं।

मोदी बोले- पिछले सत्र में विपक्ष ने मुझे बोलने से रोका; चुनाव में लड़ लिए, आइए अब देश के लिए लड़ें।

मानसून सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी सुबह 10:15 बजे संसद पहुंचे और मीडिया से 21 मिनट बात की। उन्होंने कहा- संसद का मानसून सत्र सावन के पवित्र दिन पर शुरू हो रहा है।

मोदी बोले- जून में नई संसद के गठन के बाद देश के प्रधानमंत्री का गला घोंटने का प्रयास किया गया। मुझे इसका कोई दुख नहीं है। इस बार हम मजबूत बजट लेकर आ रहे हैं। विपक्ष से अपील है- लोकसभा चुनाव में जितनी लड़ाई लड़नी थी हमने लड़ ली। जनता को जो बताना था बता लिया, वो दौर समाप्त हो गया। अगले 5 साल देश के लिए लड़ना और जूझना है।

जेडीएस नेता सूरज रेवन्ना को मिली सशर्त जमानत, अप्राकृतिक यौन शोषण के आरोप में हुए थे गिरफ्तार

बंगलूरू (एजेंसी)। यौन शोषण मामले में फंसे प्रज्ज्वल रेवन्ना के भाई और जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) नेता सूरज रेवन्ना को बंगलूरू की एक अदालत से सशर्त जमानत मिली है। आपको बता दें कि सूरज रेवन्ना पर जेडीएस के पुरुष कार्यकर्ता के अप्राकृतिक यौन शोषण का आरोप है। सूरज रेवन्ना को 23 जून को गिरफ्तार किया गया था। सूरज रेवन्ना पर भारतीय दंड संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। आपको बता दें कि 27 वर्षीय एक व्यक्ति ने सूरज रेवन्ना के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि सूरज रेवन्ना ने 16 जून को घन्नीकाड़ा स्थित अपने फार्महाउस में शिकायतकर्ता का अप्राकृतिक यौन शोषण किया। शिकायत के आधार पर होलेनरसिपुरा पुलिस ने सूरज रेवन्ना के खिलाफ आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध), 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया। सूरज रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के भतीजे हैं। उन्होंने खुद पर लगे सभी आरोपों का खंडन किया था। सूरज ने यह भी आरोप लगाया था कि शिकायतकर्ता ने उनसे पांच करोड़ रुपये की जबरन वसूली के लिए झूठी शिकायत दर्ज कराई थी।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजी गई पूजा खेडकर की मां

किसान को धमकाने के मामले में कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विवादों में घिरी प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक किसान को धमकाने के मामले में आज मजिस्ट्रेट के समक्ष उन्हें पेश किया गया, जहां सुनवाई के बाद कोर्ट ने मनोरमा खेडकर को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने पूजा खेडकर के माता-पिता पर दर्ज किया है केस

बता दें कि पुणे पुलिस ने पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर और पिता दिलीप खेडकर के अलावा चार अन्य लोगों पर मामला दर्ज किया है, जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्हें 2023 में मुलशी तहसील के धडवाली गांव में जमीन विवाद को लेकर एक किसान को बंदूक के जरिए धमकाते हुए देखा गया था। पुणे पुलिस ने पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर के खिलाफ भी एंटी करप्शन ब्यूरो ने आय से

अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले की जांच शुरू की है।

पूजा खेडकर के पिता को मिल चुकी जमानत

इससे पहले पुणे पुलिस ने विवादित प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को गुरुवार को गिरफ्तार किया था। जहां वो एक लॉज में नाम बदलकर छिपी हुई थी। हालांकि पुणे की एक अदालत ने किसानों को कथित तौर पर धमकाने के मामले में पूजा खेडकर के पिता दिलीप खेडकर को 25 जुलाई तक अंतरिम जमानत दे दी है। हालांकि अदालत ने दिलीप खेडकर को सशर्त जमानत दी है, जिसके तहत वह किसी मुखबिर या गवाह से संपर्क नहीं करेंगे और जांच को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे।

मनोरमा खेडकर पर कसा जा रहा शिकंजा

वहीं पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर से जुड़ी एक इंजीनियरिंग फर्म को सील कर दिया गया है। पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम ने शुक्रवार को इस मामले में कार्रवाई की। जानकारी के मुताबिक फर्म पर दो लाख रुपये संपत्ति कर बकाया था। जिसे दो साल से जमा नहीं किया गया था।

बलौदाबाजार की घटना पर विधानसभा में जमकर हंगामा, सारे कांग्रेस विधायक निलंबित

सदन की कार्यवाही स्थगित

रायपुर (समय दर्शन)। बलौदाबाजार कलेक्ट्रेट परिसर में हुई आगजनी की घटना का मामला विधानसभा में जमकर गूंजा। विपक्षी कांग्रेस विधायक दल ने इस हिंसा के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। हंगामे के कारण विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

विधानसभा के मानसून सत्र के आज पहले दिन कांग्रेस विधायकों ने बलौदाबाजार घटना पर स्थगन प्रस्ताव लाते हुए इस चर्चा कराने की मांग की। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि स्थगन स्वीकार करने योग्य नहीं है। भाजपा विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि न्यायिक जांच आयोग के जांच का दायरा काफी विस्तृत होता है। हाईकोर्ट के जस्टिस की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया है। कंडिका 7 में स्पष्ट है कि सदन में ऐसे मामलों पर

चर्चा नहीं हो सकती, जो अदालत में लंबित हैं। कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा कि झीरम घाटी नक्सली हमला एवं नसबंदी कांड पर न्यायिक जांच समिति गठित की गई थी, लेकिन उस पर सदन में चर्चा हुई थी। धरमलाल कौशिक समेत अन्य भाजपा विधायकों ने भी विपक्ष व्दारा लाए गए स्थगन पर आपत्ति की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि अभी मैं विषय की ग्राह्यता पर सदस्यों के विचार सुन रहा हूं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अध्यक्ष की अनुमति से ऐसे विषय पर चर्चा की अनुमति दिए जाने का नियम पढ़कर सुनाया। बघेल अपनी बात रख ही रहे थे कि सत्ता पक्ष की तरफसे शोर शराबा होने लगा। जवाब में विपक्ष की ओर से नारेबाजी शुरु हो गई। शोरगुल थमने के बाद बघेल ने आरोप लगाया कि बलौदाबाजार की घटना के पीछे एक बड़ा षड़यंत्र है। सरकार पर बड़ा दाग लग चुका है। प्रदर्शन के दौरान कलेक्टर एवं एसपी की भूमिका संदिग्ध रही। पुलिस दुर्भावनापूर्वक काम कर रही है। भाजपा विधायक मोतीलाल साहू के भतीजे को इसलिए पीटा गया क्योंकि वह सफेद कपड़ा पहना हुआ था। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने कहा कि शैलेंद्र बंजारे नाम के युवा को पुलिस उठाकर ले गई। वास्तविकता यह है कि वह घटना स्थल पर मौजूद ही नहीं था। पुलिस दीपक मिरी के घर पहुंची जो कि तीन महीने पहले मर चुका था। कांग्रेस विधायक कविता प्राणलहरे ने कहा कि बलौदाबाजार में आंदोलन के दौरान हजारों की भीड़ थी जबकि व्यवस्था में पाँच सौ पुलिस वाले भी नहीं थे। कांग्रेस विधायक अनिल भेड़िया ने कहा कि बेगुनाह लोगों को मुजरिम बनाकर जेल भेजा जा रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने कहा कि छत्तीसगढ़ की आस्था पर चोट पहुंचाने का काम किया गया है। यह समरसता और भाईचारे को खत्म करने का षडयंत्र है। शांति भंग हुई है। समाज को बांटने का काम हुआ है। विभिन्न संगठनों से जुड़े 168 लोग अब तक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आखिर वो कौन लोग हैं जो छत्तीसगढ़ की सद्भावना को मिटाना चाहते हैं। कवासी लखमा ने कहा कलेक्टर ऑफिस जला दिया गया। कलेक्टर-एसपी इस घटना के जिम्मेदार हैं। साय सरकार ने इन दोनों को निलंबित कर दिया। इन लोगों को जेल भेज देना चाहिए। कांग्रेस विधायक द्वारिकाधीश यादव ने कहा कि अंग्रेजों के राज में जिस तरह पुलिस काम करती थी वैसा ही कुछ अभी दिखाई दे रहा है।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं

केंद्र का लोकसभा में जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लोकसभा में कहा है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता है. केंद्र के जवाब पर आरजेडी ने नीतीश कुमार और जेडीयू पर तंज कसा है. आरजेडी ने निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र के जवाब से नीतीश कुमार का झूठ खुल गया है. साथ ही लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार का इस्तीफा भी मांगा है. वहीं एलजेपी ने कहा है कि विशेष दर्जा नहीं तो विशेष पैकेज दें. केंद्र सरकार ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं देने के पीछे के कारण को भी बताया है.

सरकार ने लोकसभा में बताया कि राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) द्वारा पूर्व में कुछ राज्यों को विशेष श्रेणी का दर्जा दिया गया था, जिनकी कई विशेषताएं थी, जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता थी. इन विशेषताओं में पहाड़ी और कठिन भूभाग, कम जनसंख्या घनत्व या जनजातीय आबादी का बड़ा हिस्सा, पड़ोसी देशों के साथ सीमाओं पर रणनीतिक स्थान,

आर्थिक और अवसंरचनात्मक पिछड़ापन और राज्य वित्त की गैर-व्यवहार्य प्रकृति शामिल थी.

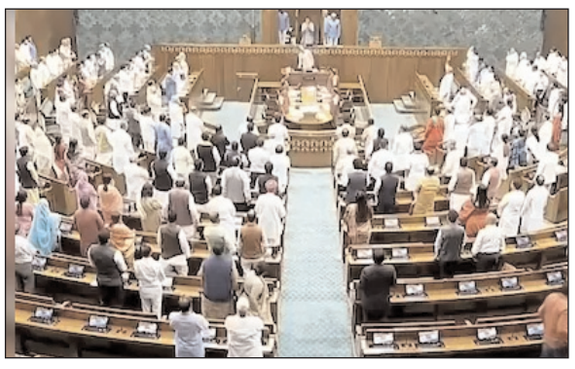

इन्हीं सभी कारकों और राज्य की विशिष्ट स्थिति पर विचार करने के बाद केंद्र ने यह निर्णय लिया है. इससे पहले, विशेष श्रेणी के दर्जे के लिए बिहार के अनुरोध पर एक अंतर-मंत्रालयी समूह (आईएमजी) द्वारा विचार किया गया था, जिसने 30 मार्च, 2012 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी. आईएमजी इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि मौजूदा एनडीसी मानदंडों के आधार पर बिहार के लिए विशेष दर्जा का मामला नहीं बनता है. बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने पर आरजेडी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए लिखा, बिहार को नहीं मिलेगा विशेष राज्य का दर्जा! - संसद में मोदी सरकार. नीतीश कुमार और छ्ष्ठ वाले अब आराम से केंद्र में सत्ता का रसास्वादन करते हुए 'विशेष राज्य के दर्जे' पर ढोंग की राजनीति करते रहें! नीतीश कुमार और छ्ष्ठ वाले अब आराम से केंद्र में सत्ता का रसास्वादन करते हुए 'विशेष राज्य के दर्जे' पर ढोंग की राजनीति करते रहें! राजद के सांसद मनोज झा ने राज्यसभा में बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा के साथ-साथ विशेष पैकेज देने की भी मांग उठाई।

संक्षिप्त समाचार

गली हुआ किचड़ से हुआ लथपथ जनता परेशान

शंकर लहरे/ सरायपाली(समय दर्शन)। ग्राम सरायपाली में ग्रामीण जन भारी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। स्कुलपारा से लेकर पीपल पेड़ तक लगभग 1किमी गलीयों में कीचड़ ही किचड़ है ।ऐसी स्थिति बनी है कि है कि लोगों को घर से निकलकर चलने में काफी दिक्कतें आ रही है । इसी रास्ते से होकर स्कूल की छात्र-छात्रायें स्कूल पढ़ने जाती है ।ग्राम के युवा भूषण साव ने बताया की इस रास्ते में स्कूली छात्र छात्रायें फिसलकर गिर रहीं हैं । दरअसल ग्राम पंचायत सरपंच प्रहलाद सिदार द्वारा एक माह पूर्व यहां गली में मुरूम डाला गया था। जो मुरूम डाली गई वह मुरूम कम मिट्टी ज्यादा थी ।जिससे ठिक ढंग से बिछाया भी नही गया जो पानी गिरते है किचड़ में तब्दील हो गया। कुल मिलाकर पंचायत ने खानापूर्ति तो कर दी पर उसकी सजा यहां की आम जनता भुगत रही है। सरपंच को इस सबंध में जानकारी मिलने पर भी चुप्पी साध ली ।अब यहां की जनता को भगवान भरोषे ही रहना पड़ेगा।

मोड़ पर संकेतक और ब्रेकर बेरियर बनाया गया: कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देश पर अमल प्रारंभ

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। दुर्घटनाजन्य मोड़ पर ब्रेकर बेरियर बनाने के लिए विगत 18 जुलाई को आयोजित सड़क सुरक्षा की बैठक में कलेक्टर धर्मेश साहू ने नेशनल हाईवे के अधिकारियों को निर्देश दिए थे। निर्देश पर रायगढ़ से सरायपाली एन-एच के मध्य दानसरा से कनकबीरा रोड में कार्य प्रारंभ हो गया है। सालर के 2 मोड़ पर ब्रेकर बेरियर बनाया गया है। इसी प्रकार जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के पुलिस विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा अंतर्गत हेलमेट पहनकर मोटर सायकल चलाने, तेज गति से हानि होने की चेतावनी और नशे में गाड़ी नहीं चलाने के संबंध में पोस्टर चिपकाया गया है। दानसरा नेशनल हाईवे मोड़ पर दोनों तरह सारंगढ़, बरमकेला, रायगढ़ और सरायपाली जाने का संकेतक भी स्थापित किया गया है। इससे इस क्षेत्र से अनजान मुसाफिर को संबंधित रूट में जाने के लिए मददगार साबित होगा।

बेजोड़ साउंड एक्सपीरियंस के लिए BRAVIA Theatre Bar 8 और Bar 9 साउंडबार के साथ सिनेमा को घर पर ले आएं

नई दिल्ली : सोनी इंडिया ने आज अपने नवीनतम BRAVIA Theatre Bar 8 और BRAVIA Theatre Bar 9 के लॉन्च की घोषणा की। इन अत्याधुनिक साउंडबार को घर पर एक बेजोड़ सिनेमाई अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ऑडियो और विज़ुअल टेक्नोलॉजी में सोनी की विशेषज्ञता को बेहतरीन इन-होम एंटरटेनमेंट के लिए एडवांस सुविधाओं के साथ जोड़ता है। घर पर सिनेमा देखने के अनुभव को बेहतर करने के लिए सोनी के नए BRAVIA Theatre Bars प्रोडक्ट डिज़ाइन किए गए हैं, जो आपके लिविंग रूम में बड़ी स्क्रीन का जादू जैसा फीलिंग देते हैं। स्ट्रीमिंग सेवाओं के विस्तार और होम एंटरटेनमेंट के बढ़ते चलन के साथ, BRAVIA Theatre Bar 8 में 11 स्पीकर यूनिट और BRAVIA Theatre Bar 9 में 13 स्पीकर यूनिट के साथ ही बेहतरीन साउंड क्वालिटी और अत्याधुनिक तकनीक की सुविधा उपलब्ध है। इन खूबियों के साथ ये प्रोडक्ट आपकी मूवी नाइट्स को बदल देने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। सोनी की मालिकाना 360 स्पैटियल साउंड मैपिंग टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए, कई फैंटम स्पीकर्स जेनरेट किए जाते हैं, जबकि वहां पर कोई वास्तविक भौतिक स्पीकर इंस्टॉल नहीं होते हैं, यहां तक कि ऊपर या बगल में भी कोई फिजिकल स्पीकर नहीं होते।

सरस्वती शिशु मंदिर उ मा विद्यालय में गुरु पूर्णिमा एवं आचार्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया

शंकर लहरे / बागबाहरा(समय दर्शन)। गुरु और शिष्य का रिश्ता बेहद खास होता है. जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गुरु ही उस तक पहुंचने का मार्ग बताता है. इसलिए विद्यार्थी के जीवन में गुरु का बहुत महत्व होता है. हर साल आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को गुरु पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उ मा विद्यालय में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी विद्यालय संचालन समिति सागरचंद अग्रवाल स्मृति शिक्षा समिति, बागबाहरा द्वारा महर्षि वेदव्यास जी की जयंती के शुभ अवसर पर आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अतिथियों द्वारा परम पवित्र भगवा ध्वज, ?, मां सरस्वती, भारत माता एवं महर्षि वेदव्यास जी के चित्रों का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष मनसुख परमार ने की तथा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय संचालन समिति के सचिव एवं व्यवस्थापक राहुल अग्रवाल उपस्थित रहें। बतौर विशेष अतिथि विद्यालय संचाल समिति के सहसचिव जोगेंद्र सिंह एवं कोषाध्यक्ष रामजी तिवारी उपस्थित रहे । कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा गुरू महिमा पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार रखे गए। मुख्य वक्ता के रुप में स्थानीय विद्यालय के प्राचार्य नंदूराम निर्मलकर ने गुरु की महिमा पर प्रकाश डालते हुए भगवा ध्वज को गुरू मानकर पूजन करने के कारण को विस्तार से समझाया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में छात्रों को आह्वान किया कि जीवन में जिससे भी आपको कोई सीख मिले उसे भी गुरू मानकर उसका यथोचित सम्मान करें तभी जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम के अंत में सागरचंद अग्रवाल स्मृति शिक्षा समिति द्वारा सभी आचार्यो को परंपरानुसार भेंट देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन सृष्टि साहू, साधना देवांगन एवं भोजवती चक्रधारी ने किया। आभार प्रदर्शन विद्यालय संचालन समिति के सचिव एवं व्यवस्थापक राहुल अग्रवाल ने किया। इस अवसर समस्त भैया/बहिन, आचार्य एवं अभिभावक व गणमान्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

शक्तिधाम में मनाया गया गुरू पूर्णिमा महोत्सव

आस्था मूकबधिर शाला में प्रसादी व लेखनी सामग्री वितरण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शक्तिधाम मां महाकाली मंदिर बाबुटोला में गुरू-शिष्य परंपरा का पावन पर्व गुरुपूर्णिमा हर्षोल्लास से मनाया गया। प्रात: गुरुचरण वंदन पश्चात गुरुपूजन किया गया। इस पावन अवसर पर शक्तिधाम धर्मार्थ सेवा समिति द्वारा आस्था मूकबधिर शाला में बच्चों को प्रसादी व लेखनी सामग्री वितरण किया गया। शहर के वार्ड क्रमांक-1, बाबुटोला में शक्तिधाम महाकाली मंदिर में गुरू पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा पर सर्वार्थ सिद्धि और प्रीति योग के संयोग से यह पर्व और भी शुभ और महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी दिन से संन्यासी चातुर्मास का प्रारंभ भी होगा, जो विशेष महत्व रखता है। गुरु पूर्णिमा का पर्व विशेष रूप से गुरुरू-शिष्य परंपरा को समर्पित है। इस दिन शिष्य अपने गुरु की पूजा करते हैं और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। आज प्रात: अघोराचार्य बाबा कीनाराम जी का अघोर आरती पश्चात शिष्यों व श्रद्धालुओं द्वारा पूज्य गुरुदेव हरीश यादव का दर्शन-पूजन किया गया। शिष्यों के द्रवित नयन से भाव-विभोर गुरुपूजन देख सभी की आंखे भर आयी। गुरू पूजन पश्चात शिष्यों के मार्गदर्शन के लिए गुरूजी ने आशीर्वचन कहे। दोपहर बाद भोजन प्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर गुरुदेव हरीश यादव के द्वारा 37 लोगों को गुरू दीक्षा दिया गया एवं एक पेड़ गुरू के नाम के तहत सभी नए दीक्षित व पुराने सदस्यों को गुरुजी द्वारा पेड़ भेंटकर संरक्षण करने कहा गया । वहीं आस्था मूकबधिर शाला में भी बच्चों को लेखनी सामग्री व प्रसादी वितरण किया गया।

शिक्षिका गंगा शरण पासी साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित

दुर्ग (समय दर्शन)। शिक्षिका गंगा शरण पासी को लगातार साहित्य के क्षेत्रों में सक्रिय रहकर काम करने के लिए वक्ता मंच द्वारा साहित्य श्री सम्मान से सम्मानित किया गया है साहित्य के क्षेत्रों में बहुत ही सक्रिय रहकर काम कर रही है। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते, शुभम् साहू ओर अवस्थी द्वारा साहित्य कार्यों को देखकर यह सम्मान दिया गया है। इससे पहले वक्ता मंच ने शिक्षिका गंगा शरण पासी को, संघर्ष शील महिला सम्मान, उत्कृष्ट नारी सम्मान, शिक्षा कला व साहित्य सम्मान, जगरूक महिला सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। शिक्षिका गंगा शरण पासी अपनी स्वयं की तीन पुस्तकें लिख चुकी है, महिला संघर्ष, अनुभव एक कविता, अनुभव रस भरी कविता आदि हैं, समाज के अनेकों संगठनों ने शिक्षिका गंगा शरण पासी को हजारों सम्मान से सम्मानित कर चुके हैं। चुनाव के समय शिक्षिका द्वारा वोट डालने वाली कविता लिखकर अखबारों में प्रकाशित करवाया। वही पेड़ पौधे लगाने वाला कविता लिखकर छपवाया गया है साहित्य के माध्यम से शिक्षिका गंगा शरण पासी लोगों को जागरूक करने का काम करती है, साहित्य के क्षेत्रों में लगातार आठ वर्षों से जुड़कर काम करती आ रही है।उनका कहना है कि साहित्य समाज का दर्पण होता है इसलिए लोगों को जागरूक करती हूं ओर जबतक जीवित रहूंगी तब तक लोगों को जागरूक करती रहूंगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान-मोर आस अंतर्गत आपत्ति दावा का अंतिम प्रकाशन पात्र/अपात्र की सूची तैयार

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान-मोर आस अंतर्गत पात्र/अपात्र की सूची तैयारी किया गया है। आपत्ति दावा प्रकाशन नगर पालिक निगम,द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान-मोर आस अंतर्गत, अंतिम पात्र/अपात्र की सूची तैयार किया गया है।आपत्ति दावा का अंतिम प्रकासन मोर मकान-मोर आस अंतर्गत आपत्ति दावा की प्रक्रिया के संपादन पश्चात अंतिम पात्र/अपात्र की सूची प्रकाशित की जा चुकी है। इस सूची को विभागीय वेबसाईड में देखा जा सकता है तथा यह सूची नगर निगम के मुख्य कार्यालय में एवं डाटा सेंटर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में चस्पा किया गया है।अंतिम पात्र/अपात्र की सूची आपत्ति दावा हेतु जारी किया गया है।प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान-मोर आस अंतर्गत पात्र/अपात्र की सूची का आपत्ति दावा के लिए अंतिम प्रकाशन,प्रधानमंत्री आवास योजना के घटक मोर मकान-मोर आस अंतर्गत पात्र/अपात्र की सूची का आपत्ति दावा के लिए अंतिम प्रकाशन,सूची को विभागीय वेबसाईड में देखा जा सकता है तथा यह सूची नगर निगम के मुख्य कार्यालय में एवं डाटा सेंटर स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में चस्पा किया गया है।जिन- जिन परिवारों को लॉटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया जा चुका है किंतु उन्होने आबंटन पत्र प्राप्त नही किया है ऐसे परिवारो से महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अनुरोध किया है कि अपना आबंटन पत्र डाटा सेंटर, सेन्ट्रल लाईब्रेरी प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी से प्राप्त कर लेवे।पात्र हितग्राहियों से अनुरोध है कि प्रथम किश्त की राशि जमा कर भवन आबंटन हेतु पंजीयन करावे।जिन हितग्राहियों द्वारा दिनांक 23 जुलाई 24 तक राशि जमा की जाती है उनका ड्रा 24 जुलाई 24 को डेटा सेंटर में निकाला जावेगा।माँ कर्मा सोसाइटी में 108 मकान भी पूर्णता की और है जिनमे लाइट एवं पानी की व्यस्था निगम द्वारा की जा चुकी है।

दीवार लेखन और माइकिंग कर युवोदय स्वयं सेवक कर रहे लोगो को डायरिया के प्रति जागरूक

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन जांजगीर-चांपा एवं यूनिसेफ द्वारा स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास के सहयोग से जिले में डायरिया के फैल रहे प्रकोप को कम करने युवोदय हसदेव के हीरो स्वयं सेवक द्वारा ग्राम पंचायत कोसीर, चोरिया, अकलतरा, सोनियापाट एवं ग्राम पोंडी में जन-जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया। इन दिनों बरसात के मौसम के चलते जिले में डायरिया बीमारी का प्रकोप जिले में बहुत तेजी से फ़ैल रहा है, जिसके चलते बच्चे और व्यस्क सभी बीमार हो रहे, व इस बीमारी से आमजन को सावधानियां बरतने की जरूरत है, ताकि परिवार को बीमारी की चपेट में आने से बचा सकें। जिले में डायरिया की स्थिति को देखते हुए, मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं कोटवार कि सहायता से, यूनिसेफ युवोदय हसदेव के हीरो कार्यक्रम के स्वयं सेवकों के द्वारा पंचायतों में, दीवार लेखन एवं मेगा फोन से लोगो से अपील करते हुए गावो में डोर टू डोर जाकर समुदाय में बैनर, पोस्टर, माइकिंग एवं जागरूकता रैली के माध्यम से लोगो को घरों के आस-पास स्वच्छता बनाने, पानी उबाल कर पीने और खाना खाने, बनाने एवं शौच के बाद हाथ धोते रहने का सलाह भी दिया जा रहा है और ग्रामीणों से अपील किया जा रहा है कि, बच्चों में डायरिया के लक्षण पाए जाने पर तुरंत ओआरएस का घोल दे, अपने नजदीकी मितानिन से परामर्श या स्वास्थ्य केंद्र जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। डायरिया नियंत्रण एवं जागरूकता अभियान में जिला समन्वयक हसदेव के हिरो श्री विधि विनोद, युवोदय हसदेव के हिरो ब्लॉक समन्वयक नरेंद कश्यप, तरुण साहू, मुमताज बेगम के साथ ग्राम के मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं कोटवार का विशेष योगदान रहा।

मेकाहारा हॉस्पिटल में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन

हेल्पिंग हैंड का सफ़ल आयोजन, 152 यूनिट हुआ रक्तदान

रायपुर (समय दर्शन)। दपूरे प्रदेश में फैली टीम के माध्यम से एक प्रेरक कहानी को फिर से लिखने के लिए, हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन ने रविवार (21 जुलाई) को मेकाहारा अस्पताल, रायपुर में एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव सहित कई गणमान्य व्यक्ति; कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जयसवाल, विधायक बैकुंठपुर श्री भैयालाल राजवाड़े, विधायक खरसिया श्री उमेश पटेल, एआईजी (यातायात) श्री संजय शर्मा, एसएसपी रायपुर श्री संतोष सिंह ,डिप्टी कलेक्टर शारदा अग्रवाल,संजय अग्रवाल एनआर सहित प्रदेश के कई सामाजिक संस्थाएं एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। संरक्षक मनोज गोयल, प्रदेश अध्यक्ष अंकित अग्रवाल , सचिव रजत अग्रवाल, उपाध्यक्ष उदित अग्रवाल,एवं सुधीर अग्रवाल , महिला विंग उपाध्यक्ष बबिता अग्रवाल सहित टीम के सभी सदस्य मौजूद रहे । वही मंच संचालन परी सिंह ठाकुर द्वारा किया गया ।

सुनीता पांडे , श्रुति श्रीवास्तव , गरिमा गोयल द्वारा तिलक लगा कर और बैच पहना कर अतिथियों का स्वागत किया गया । डोनर को टोकन आफ लव,प्रमाण पत्र एवं हेलमेट देकर सम्मानित किया गया ।राशि स्टील की संचालिका ज्योति अग्रवाल द्वारा डोनर्स को 100 हेलमेट ,एवं श्री संजय शर्मा,द्रुत ट्रैफिक द्वारा 50 हेलमेट प्रदान किए गए। हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन के राज्य संरक्षक, मनोज गोयल ने कहा, हमारा उद्देश्य युवाओं और आम जनता के बीच नियमित रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देना है । और आगे हेल्पिंग हैंड्स द्वारा अनेकों स्तर के सामाजिक कार्यों की योजना बनाई जा रही है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, इस तरह के कार्यों से व्यक्ति को आत्मिक संतुष्टि और आंतरिक ऊर्जा मिलती है। यह बहुत पुण्य का काम है। इस तरह के आयोजनों से रक्त की जरूरत वाले मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी सहायता मिलती है। एक व्यक्ति का रक्तदान कई लोगों की जिंदगी बचाता है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा, हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन के सभी सदस्यों को मैं बधाई देता हूं. इस शिविर के माध्यम से सैंकड़ों लोग की जान बचाने हमको मदद मिलेगी. हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन के परिवार को बहुत-बहुत बधाई. इसके साथ ही मंत्री जायसवाल ने लोगों से अपील भी की थी कि ज्यादा से ज्यादा लोग रक्तदान करें.

पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक उमेश पटेल ने कहा मुझे गर्व है की खरसिया नगर के युवा द्वारा शुरू की गई हेल्पिंग हैंड्स क्लब की ये टीम आज इस मुकाम पर पहुंच चुकी है । रक्तदान जीवनदान है और युवाओं द्वारा किए जा रहे है ये कार्य काफी सराहनीय है । मैं हर वक्त आप सभी के साथ हूं।

वही एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया की हेल्पिंग हैंड्स की शुरुआत से ही में इनसे जुड़ा हूं। करोनाकाल में मजदूर राहत कैंप और हेल्पिंग हैंड्स क्लब का पहला रक्तदान शिविर जो की खरसिया में आयोजित था उसमे में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुआ था आज यह टीम पूरे देश में है इसके लिए मुझे बेहद खुशी है प्लाज्मा एवं ब्लड के लिए अंकित अग्रवाल से संपर्क होते रहा करोनाकाल में ।

हेल्पिंग हैंड्स क्लब 15 अप्रैल, 2020 को उस समय अस्तित्व में आया जब पूरी दुनिया खतरनाक महामारी कोविड-19 से जूझ रही थी। यह एक होनहार बीज की कहानी है जो अब एक विशाल पेड़ बन गया है और संकट में फंसे लोगों को छाया और राहत प्रदान कर रहा है। कोरोना के दौरान जब लोग अपने घरों से बाहर निकलने से डर रहे थे, भोजन, ऑक्सीजन और प्लाज्मा के लिए हर जगह शोर मच रहा था, तब छत्तीसगढ़ में 135 व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर और प्लाज्मा, ऑक्सीजन, बिस्तर और भोजन - सब कुछ मुफ्त में उपलब्ध कराकर एक रिकॉर्ड बनाया गया।

आज पूरे देश में टीम के 37,800 से अधिक सदस्य हैं। हेल्पिंग हैंड्स क्लब कई प्रतिभाशाली छात्रों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए सभी आवश्यक सहायता और सहायता भी प्रदान कर रहा है। वृक्षारोपण हेतु एक विशाल मुहिम जल्द ही इस टीम द्वारा संचालित की जानी है।

हेल्पिंग हैंड्स परिवार ने सभी अथितियों का पत्रकारों को सामाजिक संस्थाओं का तिलक लगा कर मोमेंटो टोकन आफ लव देकर सम्मान किया । संरक्षक डॉ रमेश अग्रवाल ने कहा की पत्रकार साथी के जरिए हम लोगो तक जागरूकता संदेश पहुंचा पाते है पत्रकारों की भूमिका सामाजिक कार्यों में बहुत अहम है । हेल्पिंग हैंड्स क्लब के अविचल अग्रवाल ,तरुण अग्रवाल, रिंकू केडिया,विवेक सान्याल ,विवेक श्रीवास्तव, विनय कबूलपुरिया , अमित केडिया,विन्नी सलूजा, सुमित अग्रवाल ,रिद्धि अग्रवाल,संस्कार गोयल , राहुल डनशेना,रजत शर्मा , साहिल शर्मा, काजल अग्रवाल,अंकिता आहूजा , युक्ता अग्रवाल,अंकुर अग्रवाल, मयंक जैन सहित सबने अहम भूमिका निभाई।

सार समाचार

सरेआम शराब पीते 13 लोग गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार खमतराई पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर रावाभाठा में सरेआम शराब पीते आरोपी दिनेश केंवट 37 वर्ष व पप्पु डहरिया 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं गंज थाना पुलिस ने आरोपी विशाल यादव 23 वर्ष व योगेश यादव 21 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह डीडीनगर पुलिस ने आरोपी काजल पांडे 20 वर्ष, खरोरा पुलिस ने आरोपी मनीप्रसाद देवांगन 22 वर्ष एवं आरंग पुलिस ने आरोपी ललित बंजारे 32 वर्ष व मिलेश कुमार निर्मलकर 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं गोबरानवापारा पुलिस ने आरोपी गोविन्द साहू 44 वर्ष, रोहित देवांगन 32 वर्ष व दिनेश कोसले 34 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह धरसींवा पुलिस ने आरोपी पदनाम कश्यप 29 वर्ष व संतोष नौरंगे 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

जमीन बंटवारा को लेकर दो पक्ष भिड़े

रायपुर(समय दर्शन)। गांधी नगर पंडरी में जमीन बंटवारा को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से प्रार्थिया बबीता बाग 30 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी दुर्जे सोना व मीना सोना ने घर बंटवारा को लेकर प्रार्थिया से गाली-गलौज कर मारपीट किया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थिया रत्नावती सोना 30 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपिया बबीता बाग व गगन बाग ने घर बंटवारा को लेकर प्रार्थिया से गाली-गलौज कर मारपीट किया। दोनों पक्षों की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अवैध शराब के साथ तीन व्यक्ति गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। सिविल लाइन और माना पुलिस ने अवैध शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 16 बॉटल अंग्रेजी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाइन पुलिस ने जय जवान पेट्रोल पंप के पास कार क्रमांक सेंट्रो कार क्रमांक सीजी 04 एनबी 8014 में अवैधा शराब तस्करी करते आरीफ खान 26 वर्ष व एक अन्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 10 बॉटल अंग्रेजी शराब जब्त किया है। वहीं माना पुलिस ने सब्जी मंडी डुमरतराई के पास आरोपी लंबोदर चौहान 42 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

उप मुख्यमंत्री ने गुरूपूर्णिमा पर आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में गजराज बांध में लगाया पीपल का पौधा

जन भावनाओं के अनुरुप होगा गजराज बांध का विकास और सौंदर्यीकरण : अरुण साव

रायपुर(समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज गुरूपूर्णिमा पर राजधानी रायपुर के बोरिया खुर्द में गजराज बांध में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में पीपल का पौधा लगाया। वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत 230 एकड़ में फैले गजराज बांध के चारों ओर अलग-अलग चरणों में 230 पौधे लगाए जाएंगे। इसके द्वितीय चरण में आज उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य और विधायक श्री मोती लाल साहू की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों और बोरियावासियों ने 'पीपल फॉर पीपल' अभियान के अंतर्गत 101 पौधे लगाए। बोरिया खुर्द गजराज बांध संरक्षण समिति, शहर जिला साहू संघ, ग्रीन आर्मी ऑफ छत्तीसगढ़ और भारतीय जैन संघटना द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री मोती लाल साहू ने बरगद का पौधा लगाया। गुरुपूर्णिमा के मौके पर आज स्थानीय नागरिकों ने भी यहां 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत अपनी मां की स्मृति और सम्मान में पौधरोपण किया। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम में कहा कि गजराज बांध को बचाने के लिए बोरियावासियों का संघर्ष मैं लंबे समय से देख रहा हूं। नागरिकों और इस बांध के संरक्षण में लगे संस्थाओं का दृढ़ संकल्प अब पूरा होने की ओर अग्रसर है। इसे विकसित और संरक्षित करने के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। जन भावनाओं के अनुरुप गजराज बांध का विकास और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। विधायक श्री मोती लाल साहू ने कार्यक्रम में कहा कि बोरिया के नागरिक और अनेक संस्थाएं गजराज बांध के संरक्षण के लिए काम कर रही हैं।

सैनिक स्कूल रीवा स्थापना दिवस पर पुरा सम्मेलन सम्पन्न

स्कूल के दो पुरा छात्र वर्तमान में थल सेना और नौ सेना अध्यक्ष

रायपुर(समय दर्शन)। अविभाजित मध्यप्रदेश के समय रीवा स्थित प्रदेश के एक मात्र सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस पर आयोजित पुरा छात्र सम्मेलन आज रिंग रोड नंबर 3 स्थित लोटस रिजार्ट में सम्पन्न हुआ। पुरा छात्र सम्मेलन में भाग लेने छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में निवासरत पुरा छात्र सपरिवार शामिल हुए। सम्मेलन में भाग लेने लंदन के रेडियोलाजिस्ट डॉ. नवीन खन्ना और न्यू जर्सी अमेरिका के सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ श्री महेन्द्र सिंह पटेल की उपस्थित विशेष उल्लेखनीय रही। सम्मेलन के पहले दिन 19 जुलाई को रात्रि भोज और संगीत संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें देर रात तक सभी स्कूल दिनों की याद ताजा करते हुए संगीत की धुन में झूमते रहे। दूसरे दिन परंपरागत फुटबाल मैच, रस्सी खींच प्रतियोगिता सहित बच्चों, महिलाओं के पारिवारिक मैगों ईटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। सैनिक स्कूल रीवा की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए वर्ष 1980 बैच के पुरा छात्र एवं नेफ्रोलाजिस्ट श्री संजीव अनंत काले ने बताया कि सैनिक स्कूल रीवा की स्थापना 20 जुलाई 1962 को की गई थी। वर्ष 1962 में स्थापना से लेकर इन 62 वर्षों में लगभग 4500 से अधिक छात्र शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं। इसमें लगभग 900 छात्र भारतीय सेना के अधिकारी हैं। जिसमें 20 से अधिक छात्र ले. जनरल, मेजर जनरल या समकक्ष पदों पर सेना में हैं। वर्तमान थल सेना अध्यक्ष ले. जनरल उपेन्द्र द्विवेदी और नौ सेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी सैनिक स्कूल रीवा के वर्ष 1982 पास आउट है। ले. जनरल के. टी पटनायक अरूणाचल प्रदेश के राज्यपाल हैं। सैनिक स्कूल के स्वर्णिम इतिहास को याद करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध, श्रीलंका शांति सेना, कारगिल युद्ध में सैनिक स्कूल के छात्रों ने अप्रितम शौर्य का प्रदर्शन किया और अनेक वीरता चक्र प्राप्त किए। अब तक स्कूल के छात्रों को 03 वीर चक्र, 03 शौर्य चक्र, 04 सेवा मेडल सहित अन्य सैन्य सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। इसके अलावा सैनिक स्कूल रीवा के छात्र राजनीति, प्रशासन, अंतरिक्ष विज्ञान आदि क्षेत्रों में देश-विदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। सैनिक स्कूल स्थापना दिवस पर आयोजित पुरा छात्र सम्मेलन में संचालक सैनिक कल्याण ब्रिगेडियर विवेक शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक श्री आशीष शुक्ला, मीडिया क्षेत्र के श्री मुकेश सिंह, संचालक ब्राइटन स्कूल श्री अभिनेय सिंह आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

रक्तदान से मिलती है आत्मिक संतुष्टि : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने किया मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का शुभारंभ

रायपुर(समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रविवार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में मेगा ब्लड डोनेशन कैंप का शुभारंभ किया। हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन द्वारा इसका आयोजन किया गया है। साव ने मेगा ब्लड डोनेशन कैंप के आयोजन के लिए फाउंडेशन को बधाई और साधुवाद दिया। वे इस दौरान रक्तदान कर रहे लोगों से मिले और उनकी हौसला अफजाई की। उन्होंने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। उप मुख्यमंत्री साव ने कैंप का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यों से व्यक्ति को आत्मिक संतुष्टि और आंतरिक ऊर्जा मिलती है। यह बहुत पुण्य का काम है। इस तरह के आयोजनों से रक्त की जरूरत वाले मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी सहायता मिलती है। एक व्यक्ति का रक्तदान कई लोगों की जिंदगी बचाता है। उन्होंने

कहा कि भारतीय संस्कृति काफी समृद्ध और उदार है। 'वसुधैव कुटुबंकम' के ध्येय को अपनाते हुए हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। इस तरह के रक्तदान शिविरों का आयोजन हमारी संस्कृति में गहरे पैठे परोपकार और समाज की सेवा की भावना को उजागर करती है। मेगा ब्लड डोनेशन कैंप के शुभारंभ के मौके पर हेल्पिंग हैंड्स क्लब फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष सुधीर अग्रवाल, संरक्षक मनोज गोयल, डॉ. नवीन बाफना, समाज सेवी संजय अग्रवाल, विशाल खंडेलवाल, अंकित अग्रवाल, अमित अग्रवाल और श्रीमती शारदा अग्रवाल सहित फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्य, तथा बड़ी संख्या में रक्तदाता मौजूद थे।

माँ और धरती माँ दोनों हमारे जीवन का महत्वपूर्ण और अनमोल हिस्सा : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर(समय दर्शन)। माँ और धरती माँ दोनों ही हमारे जीवन के महत्वपूर्ण और अनमोल हिस्से हैं। दोनों ही हमें जीवन देती हैं, पोषित करती हैं और हमारी सुरक्षा करती हैं। दोनों ही हमारे जीवन के आधार हैं, जिनकी हमें हमेशा कद्र करनी चाहिए। यह बात रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शनिवार को दशहरा मैदान रावणभाटा में %एक पेड़ मां के नाम% अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान कही। भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संजू सिंह ठाकुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, माँ वो है जो हमें जन्म देती है, हमारे हर सुख-दुःख में हमारे साथ रहती है, हमें प्यार और स्नेह देती है, और हमें जीवन में सही मार्गदर्शन करती है। माँ का प्यार निस्वार्थ और असीम होता

है। वहीं धरती माँ हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें भोजन, पानी, वायु और सभी प्राकृतिक संसाधन प्रदान करती है। धरती माँ हमें जीवन के लिए आवश्यक सभी तत्व उपलब्ध कराती है और हमें सुरक्षित वातावरण देती है। इसे संरक्षित और सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। बृजमोहन अग्रवाल ने यह भी कहा कि हम सब संकल्प लें कि हम सब पौधा लगाकर उसे पेड़ बनाएंगे उसको संरक्षित करेंगे।

अनियमित कर्मचारियों ने निकाली रैली

रायपुर(समय दर्शन)। नियमितीकरण, वेतन विसंगति दूर करने समेत दस सूत्री मांगों को लेकर प्रदेशभर के अनियमित कर्मचारियों ने रायपुर में ध्यानाकर्षण रैली निकाली. छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन के बैनर तले कर्मचारियों ने तूता धरना स्थल पर प्रदर्शन किया. इसके बाद रैली निकालकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने निकले, जिसे पुलिस ने तूता रेलवे ओवरब्रिज के पास रोक लिया. बता दें कि प्रदेशभर में पांच लाख अनियमित कर्मचारी हैं. रैली के बाद कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा. अनियमित कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गोपाल साहू ने बताया कि अनियमित कर्मचारियों की 10 सूत्री मांग है. इनमें नियमितीकरण, वेतन विसंगति निराकरण, अनुकंपा नियुक्ति और अनुदान में राशि में वृद्धि समेत अन्य मांगें शामिल हैं. कर्मचारियों की मांगों में नियमितिकरण, लंबित 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि, ग्रेड पे निर्धारण, वेतन विसंगति निराकरण, सीआर व्यवस्था में सुधार, चिकित्सा परिचर्या, अवकाश नियम में बदलाव, अनुकंपा नियुक्ति और अनुदान में राशि में वृद्धि, सेवा पुस्तिका संधारण, तबादला व्यवस्था में नियमितता, धरना प्रदर्शन के दौरान अनियमित कर्मचारियों पर दर्ज मुकदमा को शून्य करने की मांगें शामिल है।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी सिकंदराबाद में मलाकाली उत्सव में शामिल हुए.

सफाई मित्रों का सम्मान प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य - बृजमोहन

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल का त्रिलोकी मां कालीबाड़ी परिसर, डॉ.राजेंद्र नगर में नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उनके हाथों 50 सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया साथ ही 3 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। सफाई मित्रों को शॉल-श्रीफल से सम्मानित करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर शहर को स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण योगदान शहर के सफाई कर्मियों का है। हमारी गलियों, हमारी कालोनियों की स्वच्छता इन्ही के जिम्मे रहती है। ये गंदगी में उतरकर हमारे लिए स्वच्छ वातावरण का निर्माण करते है। वास्तव में यह बड़ा काम है। ऐसे में इनका सदैव सम्मान करना प्रत्येक नागरिक को जिम्मेदारी होनी चाहिए। विवेक वर्धन के सद्प्रयासों से पिछले 11 वर्षों से नियमित रूप से सफाई मित्रों को सम्मानित करने का आयोजन करते आ रहे है यह निश्चित तौर पर सराहनीय कार्य है। इस कार्यक्रम में त्रिलोकी मां कालीबाड़ी समित के अध्यक्ष देवाशीष गांगुली, महिला समिति की अध्यक्ष सुचित्रा वर्धन, प्रवीर सेन शर्मा, राजनारायण शर्मा, केके सिंह, तपन दास, डा.डीसी सरकार, सुब्रत चाकी, शिव दत्ता, दिग्विजय भाखरे, जी.आर जगत आदि उपस्थित थे।

रायपुर में अपराध और नशे के कारोबार के खिलाफ लोगों का फूटा गुस्सा

पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर किया चक्काजाम

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी में नशे के कारोबार, मारपीट और चाकूबाजी की घटनाओं से परेशान लोगों ने अपने आक्रोश को जाहिर करते हुए रामनगर के कर्मा चौक में चक्का जाम किया. इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे और पुलिस प्रशासन के खिलाफनारे लगाए. स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि घटनाओं को लेकर पुलिस-प्रशासन और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि से कई बार शिकायत कर चुके हैं फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है. जानकारी देते हुए स्थानीय लोगों ने कहा कि पिछले कई दिनों लगातार गुढ़ियारी और रामनगर क्षेत्र में अवैध नशे का कारोबार, सामाजिक तत्व के द्वारा गुंडागर्दी, मारपीट, चाकू-बाजी की

घटनाएं तेजी से बढ़ रही है. जिसको लेकर कई बार पुलिस प्रशासन को शिकायत भी कर चुके हैं. लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है. जिससे आक्रोशित होकर आज लोगों ने रामनगर के कर्मा चौक में प्रदर्शन कर चक्का जाम किया. इसकी शिकायत हमने कल गुढ़ियारी थाना प्रभारी को भी दी है. इसके बाद भी अगर बात नहीं बनी तो आने वाले समय में लोगों ने गृहमंत्री का दरवाजा खटखटाने की बात की है. मामले में गुढ़ियारी थाना प्रभारी के.के कुशवाहा ने कहा कि स्थानीय लोगो ने कल कहा था कि हम लोग आज चक्काजाम करेंगे. इनका कहना है कि रात्रि गस्त नहीं होती है जिसको लेकर मैने राम-नगर चौकी प्रभारी से भी रात्रि गस्त को लेकर बातचीत की है. लगातार गस्त भी हो रही है. अपराध पर हम लगाम लगा रहे हैं. पिछले दिनों जो वारदात हुई है उसके लिए हम लोग पतासाजी कर रहे हैं. जल्द अपराधी गिरफ्त में होंगे. थाना प्रभारी ने जनता से अपील की है कि घटना होने पर तत्काल पुलिस सूचना दी जानी चाहिए. अवैध नशा जहां मिल रहा है बताए, मैं कार्रवाई करने को तैयार हूं।

सांसद बृजमोहन ने किया हरदिहा पटेल मरार नवीन छात्रावास का लोकार्पण

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शनिवार को राजधानी के कैलाशपुरी में हरदिहा पटेल मरार नवीन छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। बृजमोहन अग्रवाल ने समाज के होनहार विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, छात्रावास भवन का निर्माण समाज के विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल छात्रों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा। हमारे होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करना उनके प्रयासों की सराहना है और उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। समाज की प्रगति और विकास के लिए शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, और हम सबको मिलकर इसे और सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक देवजी पटेल और समाज के लोग उपस्थित रहे।

संपादकीय

यह युद्ध का समय नहीं

यह महज संयोग है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मास्को में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन और वियना में ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ वैश्विक शांति के लिए बुद्ध के उपदेशों पर चर्चा करते हुए अपनी बात को दोहरा रहे थे कि यह युद्ध का समय नहीं है, लगभग उसी समय वाशिंगटन में अमेरिका की अगुवाई वाले नाटो के सदस्य देश रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में घी डालने का काम कर रहे थे। उनका विश्वास है कि रूस युद्ध का समर्थक है और उसने यूक्रेन पर आक्रमण किया है। इतना ही नहीं, रूस यूरोप सहित पूरी दुनिया की सुरक्षा के लिए चुनौतियां पेश कर रहा है। इसलिए नाटो देशों ने घोषणा की है कि अगले एक वर्ष के दौरान यूक्रेन को 40 अरब यूरो डॉलर की सैन्य सहायता दी जाएगी। फरवरी, 2022 से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है जिसमें हजारों निदरेष नागरिक मारे गए हैं। यह सब जानते हुए भी अमेरिका और पश्चिमी देश रूस को चिढ़ाने का काम कर रहे हैं। अमेरिका यूक्रेन को अभी तक 50 अरब डॉलर से अधिक की सैन्य सहायता दे चुका है। हाल में उसने घोषणा की है कि वह 2026 में जर्मनी में लंबी दूरी की मिसाइलें तैनात करेगा। इसका उद्देश्य रूस की चुनौतियों का सामना करना है। इसका स्पष्ट मतलब है कि अमेरिका और पश्चिमी देश नहीं चाहते कि शांति वार्ता की मेज पर एक साथ बैठ कर विमर्श करें। राष्ट्रपति पुतिन इस संकेत से अनजान नहीं हैं। शायद इसीलिए उन्होंने पिछले महीने स्विटजरलैंड में आयोजित यूक्रेन शांति सम्मेलन में शामिल होने से इंकार कर दिया। पश्चिमी देश पुतिन को आक्रमणकारी और रक्त पिपासू ठहराते हैं लेकिन यह सच नहीं है। वस्तुत- यूक्रेन को नाटो का सदस्य बनाने की घोषणा के कारण पुतिन को अपने पड़ोसी पर हमला करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सही मायने में नाटो का विस्तार रूस की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। चीन का भी ऐसा ही मानना है। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर को 19वीं सदी की उस ऐतिहासिक वियना कांग्रेस की याद दिलाई जिसने यूरोप में शांति और स्थिरता कायम करने में महती भूमिका निभाई थी। चांसलर नेहमर को विश्वास है कि भारत रूस-यूक्रेन शांति प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। लेकिन हकीकत यह है कि इस शांति प्रक्रिया में नाटो को आगे आना होगा वरना पूरी दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की चपेट में आ सकती है।

देश की तस्वीर बदल देंगे नये कानून ?

ाचार्य विष्णु श्रीहरि

प्रत्याशित तीन नये कानून लागू हो गये। ये तीन नये कानून हैं पहला भारतीय दंड न्याय संहिता, दूसरा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और तीसरा भारतीय साक्ष्य संहिता है। ये तीनों कानूनों को पिछले साल ही संसद ने पास किये गये थे। इन कानूनों को लागू करने के साथ ही साथ भारत सरकार के सामने नयी प्राथमिकताएं और नयी चुनौतियां भी खडी हुई है। भारत सरकार का दावा यह है कि नये कानूनों से देश की न्याय तस्वीरें पूरी तरह से बदल जायेगी, अपराधियों को सजा दिलाने में आसानी होगी, दोषी लचर और साक्ष्यविहीन जांच का लाभ नहीं उठा सकेंगे और कोई निर्दोष सजा काटने के लिए बाध्य नहीं होगा। नये कानूनों के सुविधा जनक होने का भी दावा किया गया है। स्मार्ट पुलिस, स्मार्ट थाने, स्मार्ट जज, स्मार्ट कोर्ट रूम की कितनी उम्मीद है, मुन्ना भाई एलएलबी के दिन लदेंगे, पीड़ित पक्ष को न्याय मिलेगा, निर्दोष सजा से बचेगा?

नये कानूनों को लेकर पक्ष भी है और विपक्ष भी है। विरोध में कांग्रेस बौखलायी हुई है और नये कानूनों को वापस लेने या फिर से संसद में बहस कराने की मांग की है। कुछ विरोधी तत्व सुप्रीम कोर्ट तक दौड लगाये हैं और नये कानूनों को रोकने की मांग की है। हर नये कदमों और नीतियों का विरोध करना हमारे देश में एक फैशन बन गया है। गुण-दोष की भी कल्पना करना थोडी जल्दबाजी होगी। कोई भी कानून जब अस्तित्व में आता है तो उसको लेकर बहुत सी आशंकाएं होती ही है और उसको लेकर डर भी होता है। खासकर दुरूपयोग को लेकर चिंताएं होती हैं। हमारे देश में जो भी कानून बनते हैं उसका तोड निकालने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ा नहीं जाता है। फिर भी चाकचैबंद और प्रभावकारी कानून और नीतियां जनता को कुछ न कुछ राहत तो देती हैं ही। इसलिए यह कहना गलत होगा कि नये कानूनों को लेकर आशंकाओं को मानकर इसके लागू होने से रोक दिया जाना चाहिए या फिर नये कानूनों को वापस ले लिया जाना चाहिए। नये कानूनो के क्रांतिकारी और परिवर्तनकारी पक्ष का गंभीरता के साथ पड़ताल करने की जरूरत है, सिर्फइतना ही नहीं बल्कि नये कानूनों का स्वागत किया जाना चाहिए, आम जनता में नये कानूनों के प्रति जनजागरूकता उत्पन्न करने की जरूरत है।

नये कानूनों की प्रमुख विशेषताएं क्या-क्या हैं? कैसे ये कानून भारत की तस्वीर बदल देंगे? कैसे ये कानून अपराधियों की गर्दन मरोड़ कर ही दम लेगे? कैसे ये कानून निर्दोष लोगों को न्याय दिलायेंगे? कैसे ये कानून सभी लोगों को एक जिम्मेदार नागरिक बनने और कर्तव्य का पालन करने के लिए प्रेरित करेंगे? ये कानून क्या सही में स्मार्ट पुलिस के सपने को सच करेंगे? क्या ये कानून स्मार्ट वकील की फौज खडी करेंगे? क्या ये कानून अवैध और चोरी की डिग्री वाले वकीलों की जमात को भी स्मार्ट बनने के लिए बाध्य करेंगे? फिर जजों के स्मार्ट होने की भी कितनी उम्मीद है? न्यायालयों में लंबित करोड़ों मुकदमों को कम करने में ये कानून सहायक होंगे क्या?अभी तक मुन्ना भाई एलएलबी और खूंखार, रिश्वतखोर और अमानवीय पुलिस की करतूतें जनता झेलती रही है। न्याय तक पहुंच दूर रखने और न्याय का गला घोटने के लिए ही मुकदमें लंबित रखे जाते हैं, पुलिस जांच अधूरी रहती है, पक्षपाती रहती है और अपराधियों, बईमानों व रिश्वतखोरों के पक्ष में खडी रहती है। मोदी सरकार की मंथा इन्ही दुश्वारियों को दूर करने की है।

तकनीकी आधारित हैं ये कानून। इस आधुनिक युग में तकनीकी का उपयोग हर क्षेत्र में लाभकारी है और आवश्यक भी है। इन कानूनों का आधार भी तकनीकी की सर्वश्रेष्ठता है। आधुनिक तकनीकी को अपनाना अनिवार्य कर दिया गया है। पुलिस, न्यायधीश, पीड़ित और आरोपी यानी सभी को तकनीकी से जोड़ दिया गया गया है, इतना ही नहीं बल्कि उनके लिए तकनीकी को अपनाना अनिवार्य कर दिया गया है। तकनीकी का विभिन्न रूप हैं जिसका इस्तेमाल किया जाना है। तकनीकी के रूप जैसे ईमेल, स्मार्ट फोन, लेपटॉस, एसएमएस, वेबसाइट, लोकेशन वेब, डिवाइस पर उपलब्ध ईमेल और मैसेजेज को कानूनी मान्यताएं दी गयी हैं। आधुनिक तकनीकी के इस स्मार्ट रूटों पर साक्ष्य और गवाही सहित एफआईआर की व्यवस्थाएं हुई हैं। न्यायालय की कार्रवाई का भी डिजिटलाइजेशन किया जायेगा। न्यायालयों के डिजिटाइजेशन होने के बाद मुकदमों की सुनवाई में तेजी आने के साथ ही साथ, वीडीओ कॉन्फ्रेंसिंग की अनिवार्यता होने के कारण पीड़ित को भी न्यायालयों को दौड़ लगाने और चक्कर काटने से राहत मिलेगा।

पुलिस जांच का ढरा बदलने वाला है। पुलिस की पुरानी मानसिकता का संहार होने वाला है। पुलिस पैसे लेने और अपराधियों को मदद करने के लिए जांच को लंबित रखने और उस पर लीपापोती करती थी। लेकिन अब पुलिस को न केवल स्मार्ट होने की अनिवार्यता के बोझ को उठाना पडेगा बल्कि डिजिटाइजेशन की मजबूरी से भी गुजरना होगा। पुलिस जांच में फोरेसिंक जांच भी अनिवार्य कर दिया गया है। गंभीर मुकदमों में फोरेसिंग जांच को अनिवार्य कर दिया गया है। फोरेंसिक जांच जब होगी तब साक्ष्य को मिटाने और साक्ष्य को कमजोर करने की घटनाओं पर लगाम लगेगा। फोरेंसिंक जांच में कई अनसुलझे और पेंचीदा मुकदमों का हल भी संभव है। बडी सुरक्षा एजेंसियां फॉरेसिंक जांच को ज्यादा प्रयोग करती हैं। सीबीआई, एनआई और ईडी ने फोरेसिंक जांच के माध्यम से बडे-बडे अपराधियों और हिंसकों तथा आतंकवादियों की गर्दन नापी है। अब पुलिस भी गंभीर और पेंचींदा मुकदमों में फोरेंसिंक जांच का इस्तेमाल करेगी।

कई क्षेत्रों में पुलिस की ज्यादतियां और उदासीनता पर रोक लगाने का प्रावधान किया गया है। एफआईआर के क्षेत्र में पुलिस अब मनमानी नहीं कर सकेगी। एफआईआर को ऑनलाइन कर दिया गया। एफआईआर पर क्षेत्र की लक्ष्मण रेखा को समाप्त कर दिया गया है। अब कहीं से भी और किसी भी थाने में एफआईआर दर्ज करा सकते हैं। इसे जीरो एफआईआर का नाम दिया गया है। जीरो एफआईआर को पन्द्रह दिन के अंदर संबंधित थाने में भेजना होगा और संबंधित थाना एक सप्ताह के अंदर उस पर फैसला पीड़ित पक्ष को सुनायेगा, उस पर क्या एक्शन होगा वह भी डिजिटल डिवाईस पर बतायेगा। 90 दिनों के अंदर आरोप पत्र दाखिल करना होगा, अधिकतम 180 दिनों में कोई भी जांच पूरी करनी होगी। पुलिस द्वारा जांच रिपोर्ट समिट करने के बाद अधिकतर 60 दिनों के अंदर कोटै को संबंधित पक्षों को नोटिस देना होगा और बहस समाप्त होने के 30 दिन के बाद फैसला सुनना अनिवार्य होगा।

यौण अपराधों और सरकार की मनमानी पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। यौन अपराधों में पीड़िता के बयान को प्रमुखता दिया गया है। इसके अलावा कोई भी सरकार अब मनमाने ढंग से कोई भी मुकदमा वापस नहीं ले सकेगी। इस क्षेत्र में सरकारें मनमाना करती रही है। अपने नजदीकियों और अपनी पार्टी से संबंधित मुकदमों को वापस ले लेती है। इस तरह के मुकदमों में लाभकरी राजनीतिज्ञ ज्यादा होते हैं, पैसे वाले भी लाभकारी हो जाते हैं। अब नये कानूनों के लागू होने से राजनीतिज्ञों और पैसे वालों सहित अन्य को भी राहत का लाभ लेने में कठिनायी आयेगी। क्योंकि पीड़ित पक्ष का जवाब सुने बिना कोई भी सरकार मुकदमा वापस नहीं ले सकती है। मुकदमा वापस लेने में सरकार तभी सफल हो सकती है जब पीड़ित पक्ष भी रजामंद होगा।

नये कानूनों को पूरी तरह से लागू करने के क्षेत्र में चुनौतियां क्या-क्या हैं। चुनौतियां तो बहुत ही खतरनाक है और खर्जीली भी है। सबसे बडी चुनौती तो पुलिस की दक्षता और फिटनेश की है। पुलिस अभी भी पुरानी ढरे की है, तोद बढाने की संस्कृति से मुक्त नहीं है। प्रशिक्षण के बाद भी पुलिस स्मार्ट होगी, यह कहना मुश्किल है। पुलिस में नये स्मार्ट युवाओं की जरूरत होगी। इसके साथ ही साथ कोर्ट में जज भी पुलिस की तरह दक्ष नहीं है, उनमें डिजिटाइजनेश से उपन्न कर्तव्य को लेकर बहुत ज्यादा चिंता और दक्षता नहीं होगी। क्योंकि कोर्ट का स्टाप और जज भी डिजिटाइजेशन की कसौटी पर रौ मेटेरियल ही माने जायेंगे। निचली अदालतों के सामने कठिनाइयां बहुत ही ज्यादा है।

भारत सरकार ने 2027 तक देश के न्यायालयों का कम्युटरराइजेशन करने का लक्ष्य रखा है। कहने का अर्थ यह है कि 2027 के पहले नये कानूनो का समुचित लाभ मिलिने की उम्मीद नहीं है। जब देश के न्यायालयों और पुलिस थाने पूर्णरूप से कम्युटरराइजेशन हो जायेंगे तब आम जनता को नये कानूनो को समुचित लाभ मिलने लगेगा। फोरेसिंक विशेषज्ञ तैयार करने के लिए फोरेसिंक विश्वविद्यालय खोलने का प्रावधान है। फोरेसिंक विश्वविद्यालय का लक्ष्य कठिन है और फोरेसिंक विशेषज्ञ निकलने का इंतजार भी हमें करना होगा।

लेकिन भक्तों की श्रद्धा में कमी नहीं

हरिशंकर व्यास

नई सदी के पहले 25 साल में जब दुनिया अंतरिक्ष में बस्ती बसाने के प्रयास में लगी है, पशुओं के शरीर में अलग अलग अंग विकसित कर रही, ताकि उसे इंसानों के शरीर में इस्तेमाल किया जा सके, जीन बदल कर सुपर ह्यूमन बनाने की कोशिश है, और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए इंसानों को रिप्लेस करने का काम हो रहा है तो ऐसे वक्त भारत में सैकड़ों, हजारों की संख्या में उन बाबाओं का उदय और अस्त हुआ है, जो अपने आसन पर बैठे बैठे पूरा ब्राह्मंड देख लेते हैं और चुटकियों में इंसानों की समस्याओं का समाधान कर देते हैं।

इन्हें बीमार लोगों का इलाज करने के लिए किसी दवा की जरुरत नहीं है और न बीमारी का पता लगाने के लिए किसी तकनीकी उपकरण की जरुरत है। वे अंतर्यामी होते हैं और उनके पास ऐसी अद्भुत शक्तियां हैं कि वे भक्तों के सारे कष्ट दूर कर सकते हैं। ऐसे अनेक बाबा हर साल भक्तों के शोषण के आरोप में या किसी अन्य अपराध के आरोप में पकड़े जाते हैं लेकिन भक्तों की श्रद्धा में कमी नहीं आती है। वे जेल में बंद बाबाओं के भी भक्त बने रहते हैं या कोई नया बाबा खोज लेते हैं।

समय के साथ बाबाओं के स्टॉक सूचकांक में उतार चढ़ाव जैसा होता है। जैसे एक समय निर्मल बाबा का जलवा था। लोग हजारों रुपए की टिकट लेकर उनके कार्यक्रम में शामिल होते थे। अपनी समस्या लेकर पहुंचे भक्तों को वे बताते थे कि उनकी कृपा कहां रूकी है। समोसे के साथ लाल चटनी खाने वाले को उन्होंने कहा कि हरी चटनी खाए तो कृपा आने लगेगी, सफेद रूमाल रखने वाले को कहा कि लाल रूमाल रखे तो कृपा आएगी, बाईं जेब में रूमाल रखने वालों को कहा कि दाहिनी जेब में रखे तो कृपा आएगी। बाबा के ऊपर कुछ फ्रॉड के आरोप लगे तो उसके बाद से उनका बाजार काफी डाउन हो गया है। निर्मल बाबा के लगभग साथ ही राधे मां धूमकेतु की तरह उभरीं थीं। वे नाच गाकर भक्तों के कष्ट दूर करती थीं। आरोपों में घिरने के बाद उनका भी बाजार खराब हो गया।

आसाराम बापू का डाउनफॉल सबसे बड़ी घटना थी लेकिन उसके बाद ही छोटे छोटे दर्जनों बाबाओं के लिए रास्ते खुले। आसाराम के देश भर में करोड़ों भक्त थे। वे भी नाचते गाते थे। रास रचाते थे। फूलों की बारिश करते थे। फिलहाल आसाराम बापू और उनके बेटे नारायण साई भक्तों के यौन शोषण और हत्या के मामले में जेल में बंद हैं। वे अपने लिए कोई चमत्कार नहीं कर पाए। उनके भक्तों की संख्या अब काफी कम रह गई है। अब उनके पास वही कट्टर भक्त बचे हैं, जो मानते हैं कि यह सब उनकी अपनी लीला है और किसी बड़े उद्देश्य के लिए वे जेल में बंद हैं।

तर्क यह है कि आखिर भारत में अनके भगवानों ने धरती पर परीक्षा दी है और कष्ट झेले हैं।

अपने-अपने मंथन

चुनाव का मौसम निकल गया है। आजकल बरसात का मौसम भी चल रहा है और मंथन का मौसम भी चल रहा है। यानी दो मौसम एक साथ चल रहे हैं। बरसात का और बादलों का कोई भरोसा नहीं होता। कभी भी कहीं भी बरस सकते हैं। कहीं पर भी बाढ़ ला सकते हैं। कहीं पर बादल फट भी सकते हैं, क्योंकि बरसात में अक्सर ऐसा हो जाता है। इसी तरह मंथन का मौसम भी चल रहा है। मजे की बात यह है कि सत्ता पक्ष भी मंथन कर रहा है और विपक्ष भी मंथन कर रहा है। दोनों पक्षों के हाईकमान द्वारा भेजी गई नेताओं की टोलियां अपनी अपनी हार का मंथन कर रही हैं। एक टोली यह मंथन कर रही है कि लोकसभा चुनाव में हमारा सुपड़ा साफ कैसे हो गया? दूसरे दल की टोली इस मंथन में जुटी है कि उपचुनाव में जीत हमारे हाथ से क्यों फिसल गई? दोनों तरफ मंथन चल रहा है। दोनों तरफ भितरघात की शिकायत हो रही है। दोनों तरफ लावा उबल रहा है। ऊपर ऊपर से यह दिखाया जा रहा है कि मंथन बहुत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुआ है। मंथन करने आए नेता अच्छे होटल में ठहराए गए हैं। उनके हर सुख सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यानी पूरी खातिरदारी हो रही है। सेवा भाव में कोई कमी नहीं रखी जा रही। नेता लोग भी विस्तार से मंथन कर रहे हैं। मंथन में मीडिया को जाने की इजाजत नहीं है क्योंकि मीडिया के जाने से मंथन में खलल पड़ जाता है और और बीच की खबर बाहर आ जाती है। बीच की खबर चर्चा का विषय बन जाती है और मंथन की हवा निकल जाती है। इसलिए बंद कमरे में मंथन हो रहा है। जो चुनाव हार गए हैं, वे मोटी मोटी फाइलें अपने साथ लेकर आए हैं। इन फाइलों में भितरघातियों के नाम दर्ज हैं। यानी सबूत सामने रखे जा रहे हैं। मंथन करने वाले नेताओं की आंखें आश्चर्य से फटी जा रही हैं। ऐसा दोनों दलों के मंथन में हो रहा है। यह मंथन समंदर मंथन की तरह नहीं है जिसमें अमृत निकल रहा हो। इसमें विष निकल रहा है। एक दूसरे के प्रति विष उगला जा रहा है। यह सारा विष हाईकमानों के सामने रखा जाएगा। हाईकमान फिर मंथन करेगा। उसके बाद मीडिया को ब्रीफ किया जाएगा कि बहुत शानदार मंथन हुआ। पार्टी की साख बढ़ी है। पब्लिक ने भरोसा कायम रखा है। अगले चुनाव की तैयारी में अभी से सभी को कमर कस लेने के लिए कहा गया है। 'अनुशासन सर्वोपरि है' की घुट्टी सभी कार्यकर्ताओं को पिला दी गई है। यह घुट्टी पीने के बाद कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा है। अब सिर्फ जोश में होश कायम रखना है। पार्टी का अगला मंथन किसी अन्य पर्यटन स्थल पर होगा और अगले चुनाव के नतीजे आने के बाद होगा, यह भी मीडिया को ब्रीफ कर दिया गया है। यानी मंथन बैठक के बाद जो कुछ होना है, उसका खाका पहले से तैयार है। फिलहाल मंथन चल रहा है। अंदर मंथन हो रहा है और बाहर बारिश हो रही है। मंथन करने दिल्ली से आए नेताओं को गर्मी से राहत मिल रही है। इससे बढिया मंथन और क्या हो सकता है? यहां चिंता सिर्फ एक ही है कि कहीं बारिश मंथन के नतीजे पर पानी न फेर दे। एक और कमाल की बात देखिए। अलग-अलग जगह पर मंथन चल रहा है और अलग-अलग दलों के कार्यकर्ता बड़ी उत्सुकता से मंथन की आउटपुट का इंतजार कर रहे हैं।

डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद

अमित भनोट

आज हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जहां चाय, ब्रेड, दूध आदि जैसे रोजमर्रा के खचरे और खरीदारी के लिए डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद बन चुका है। अमेजॉन के एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि ऑनलाइन खरीदारी के लिए जहां 90 प्रतिशत भुगतान डिजिटली किया जा रहा है वहीं स्टोर्स में भी डिजिटल भुगतान 50 प्रतिशत जनता की पहली पसंद बन गया है।

देश में डिजिटल क्रांति ने जीवन के हर पहलू को न सिर्फ छुआ है, बल्कि बदल कर रख दिया है। ऐसे में जब हम ऐसी खबरें सुनते हैं कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा परिषदीय स्कूलों में लागू की गई डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था का प्रदेश के शिक्षकों द्वारा यह कहते हुए विरोध हो रहा है कि यह 'अव्यावहारिक' है, तो निश्चिय ही आश्चर्य होता है। कोई बड़ी बात नहीं कि विरोध कर रहे शिक्षकों के मोबाइल में भुगतान करने के लिए 'भीम एप', मनोरंजन के लिए ओटीटी ऐप, खाना ऑर्डर करने के लिए 'डिलीवरी एप', खरीदारी के लिए भी विभिन्न ऐप पहले से ही मौजूद हों। ऐसे में सिर्फ डिजिटल अटेंडेंस का विरोध करना खुद ही व्यावहारिक नहीं लगता। योगी सरकार ने 8 जुलाई से सभी परिषदीय स्कूलों में मौजूद सभी 12 रजिस्टरों को डिजिटल करने का फैसला लिया है, और सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इसे सख्ती से लागू करवाने का निर्देश दिया है। इन्हीं रजिस्टरों में शिक्षकों की अटेंडेंस का रजिस्टर भी शामिल है, जिसमें फेस रिकग्निशन के जरिए स्कूल परिसर में ही स्कूल खुलने और बंद होने के 15 मिनट पहले और बाद में हर शिक्षक को अपनी उपस्थिति टैब के जरिए डिजिटली दर्ज करानी है। नई व्यवस्था के विरोध को देखते हुए प्रदेश सरकार ने इसमें 30 मिनट का ग्रेस टाइम भी दे दिया है। इसी व्यवस्था का विरोध यह कहते हुए हो रहा है कि इसमें व्यावहारिक दिक्कतें हैं, वहीं बरसात में मौसम और आकस्मिक स्थिति में शिक्षक द्वारा इस व्यवस्था का अनुसरण करना संभव नहीं होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह विरोध सिर्फ इसलिए है कि इसमें कुछ दिक्कतें आएंगी या फिर किसी और चीज की पर्दादारी है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। एक ओर तो प्रदेश के 133035 प्राथमिक, कंपोजिट और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी हमेशा ही बनी रहती है वहीं जो शिक्षक हैं भी, उनमें से कई, स्कूलों में नहीं आते हैं, या सिर्फ एक बार रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज कर, निकल लेने की फिराक में रहते हैं। राज्य के शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022-23 में प्रदेश में कुल 453594 शिक्षक थे जबकि 126028 पद रिक्त हैं, ऐसे में यदि मौजूद शिक्षक भी विद्यालय न आएं तो शिक्षा की स्थिति समझी जा सकती है। यह सीधे-सीधे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यदि हमें प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करनी है तो सरकार को व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल रजिस्टर उसी दिशा में उठाया गया कदम जान पड़ता है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों के उपयोग के लिए 2,09,863 टेबलेट्स उपलब्ध कराए गए हैं। परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए टेबलेट उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया जारी है। निर्देशों के अनुसार समस्त अध्यापक 1 अप्रैल से 30 सितम्बर तक आगमन उपस्थिति प्रातः 7.45 से 8 बजे तक और प्रस्थान दोपहर 2.15 से 2.30 बजे तक लगाएंगे। एक अक्टूबर से 31 मार्च तक आगमन उपस्थिति सुबह 8.45 बजे से सुबह नौ बजे तक और प्रस्थान उपस्थिति 3.15 बजे से 3.30 बजे तक दर्ज कर सकेंगे। एक प्रश्न हमें और शिक्षकों को खुद से भी पूछना चाहिए। यदि पुरानी फिजिकल रजिस्टर वाली व्यवस्था दुरुस्त थी तो प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा की स्थिति ऐसी क्यों है? 2023-24 में 2022-23 की तुलना में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट स्कूलों में छात्रों की संख्या में 24 लाख से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो चौंकाने वाला आंकड़ा है।

2023-24 में इन स्कूलों में छात्रों की संख्या 16784645 थी जो पिछली बार से 24 लाख कम है। यह तब है जब कोरोना काल में घटती आमदनी के चलते सरकारी स्कूलों में छात्रों का पंजीकरण खासा बढ़ा था। घटती संख्या के पीछे मुख्य कारण यह भी है कि शिक्षक पढ़ाने आते ही नहीं। ऐसे में डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था इसमें अपेक्षित सुधार ला सकती है। डिजिटल व्यवस्था के विरोध में एक बात और कही जा रही है कि यह ऐप कई बार शिक्षक की लोकेशन स्कूल से अलग कहीं और दिखाता है। डिजिटल दुनिया में शुरुआती समय में कई बार ऐसा होता है लेकिन यह कमी किसी भी ऐप में समय के साथ ठीक की जा सकती है, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था को अव्यावहारिक कह कर नकार देना कतई सही नहीं है। सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर, दोनों स्तरों में लगातार सुधार जारी हैं, वहीं जरूरत के अनुसार नियमों में रियायतें भी दी जा रही हैं। आधे घंटे का 'ग्रेस' इसी दिशा में उठाया गया कदम है। अगर समग्र रूप से देखें तो किसी भी राज्य की शिक्षा व्यवस्था सीधे हमारे मानव संसाधन के भविष्य से जुड़ाव रखती है, और समय के साथ इसमें बदलाव विकसित भारत के सपने को साकार करने में अहम है। यदि प्रदेश का शिक्षा तंत्र और शिक्षक अपने ध्येय का बखूबी पालन करते हैं, तो इसका सकारात्मक असर सीधे प्रदेश की प्रोडक्टिविटी पर तो होगा ही, वहीं हम बेहतर नागरिकों का निर्माण भी करेंगे। इसे देखते हुए एक समाज के तौर पर हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को पूरी गंभीरता से लेना चालिए। हमें ऐसे शिक्षा के मंदिरों का निर्माण करना है जहां स्कूल में हमारे बच्चों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं हों, शौचालयों की व्यवस्था हो, मिड डे मील के रूप में भोजन की उचित व्यवस्था हो, पक्का स्कूल हो, बैठने के लिए डेस्क हो।

लिंगाई माता मंदिर

यहां स्त्री रूप में होती है शिवलिंग की पूजा

स्त्री रूप में होती है शिवलिंग की पूजा, साल में एक बार खुलता है मंदिर, मान्यता है यहां ककड़ी खाने से होती है संतान प्राप्ति। हमारे देश भारत के हर हिस्से में प्राचीन मंदिरों की भरमार है। इनमे से कई मंदिर तो बहुत प्रसिद्ध है जिनके बारे में सब लोग जानते है जबकि कई मंदिर अभी भी अधिकांश लोगों की पहुंच से दूर है।

ऐसे अधिकतर अनजाने मंदिर झारखंड और छत्तीसगढ़ के दुर्गम इलाको में स्थित है तथा साथ ही यह क्षेत्र नक्सल प्रभावित भी है। इसलिए यहां केवल स्थनीय लोग ही पहुंच पाते है। ऐसा ही एक अनजान मंदिर है लिंगाई माता मंदिर जो की आलोर गांव की गुफा में स्थित है। वास्तव में इस मंदिर में एक शिवलिंग है मान्यता है की यहां माता लिंग रूप में विराजित है। शिव व शक्ति के समन्वित स्वरूप को लिंगाई माता के नाम से जाना जाता है।

आलोर गांव में स्थित है मंदिर-

फरसगांव से लगभग 8 किमी दूर पश्चिम से बड़ेडोंगर मार्ग पर ग्राम आलोर स्थित है। ग्राम से लगभग 2 किमी दूर उत्तर पश्चिम में एक पहाड़ी है जिसे लिंगई गट्टा लिंगई माता के नाम से जाना जाता है। इस छोटी से पहाड़ी के ऊपर विस्तृत फैला हुआ चट्टान के उपर एक विशाल पत्थर है। बाहर से अन्य पत्थर की तरह सामान्य दिखने वाला यह पत्थर स्तूप-नुमा है इस पत्थर की संरचना को भीतर से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो कोई विशाल पत्थर को कटोरानुमा तराश कर चट्टान के ऊपर उलट दिया गया है। इस मंदिर के दक्षिण दिशा में एक सुरंग है जो इस गुफा का प्रवेश द्वार है। द्वार इनता छोटा है कि बैठकर या लेटकर ही यहां प्रवेश किया जा सकता है। गुफा के अंदर 25 से 30 आदमी बैठ सकते हैं। गुफा के अंदर चट्टान के बीचों-बीच निकला शिवलिंग है जिसकी ऊंचाई लगभग दो फुट होगी, श्रद्धालुओं का मानना है कि इसकी ऊंचाई पहले बहुत कम थी समय के साथ यह बढ़ गई।

वर्ष में एक दिन खुलता है मंदिर-

परम्परा और लोकमान्यता के कारण इस प्राकृतिक मंदिर में प्रति दिन पूजा अर्चना नहीं होती है। वर्ष में एक दिन मंदिर का द्वार खुलता है और इसी दिन यहां मेला भरता है। संतान प्राप्ति की मन्नत लिये यहां हर वर्ष हजारों की संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं। प्रतिवर्ष भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष नवमी तिथि के पश्चात आने वाले बुधवार को इस प्राकृतिक देवालय को खोल दिया जाता है, तथा दिनभर श्रद्धालुओं द्वारा पूजा अर्चना एवं दर्शन की जाती है।

मंदिर से जुडी मान्यताएं-

इस मंदिर से जुड़ी दो विशेष मान्यताएं है। पहली मान्यता संतान प्राप्ति को लेकर है। इस मंदिर में आने वाले अधिकांश श्रद्धालु संतान प्राप्ति की मन्नत मांगने आते है। यहां मनौती मांगने का तरीका भी निराला है। संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाले दंपति को खीरा चढ़ाना आवश्यक है प्रसाद के रूप में चढ़े खीरे को पुजारी, पूजा पश्चात दंपति को वापस करता है। दम्पति को शिवलिंग के सामने ही इस ककड़ी को अपने नाखून से चीरा लगाकर दो टुकड़ों में तोडना होता है और फिर सामने ही इस प्रसाद को दोनों को ग्रहण करना होता है। मन्नत पूरी होने पर अगले साल श्रद्धा अनुसार चढ़ावा चढ़ाना होता है। माता को पशुबलि और शराब चढ़ाना वर्जित है।

दूसरी मान्यता भविष्य के अनुमान को लेकर है। एक दिन की पूजा के बाद मंदिर बंद कर दिया जाता है तो मंदिर के बाहर सतह पर बिछा दी जाती है। इसके अगले साल इस रेत पर जो चिन्ह मिलते हैं, उससे पुजारी अगले साल के भविष्य का अनुमान लगाते हैं। यदि कमल का निशान हो तो धन संपदा में बढ़ोत्तरी, हाथी के पांव के निशान हो तो उन्नति, घोड़ों के खुर के निशान हों तो युद्ध, बाघ के पैर के निशान हो तो आतंक, बिल्ली के पैर के निशान हो तो भय तथा मुर्गियों के पैर के निशान होने पर अकाल होने का संकेत माना जाता है।

कर्म करो और फल की चिंता मत करो

महाभारत एक धर्मयुद्ध ही नहीं कर्तव्यगाथा भी है। इसमें गीता का ज्ञान मोह एवं अज्ञान से ग्रस्त मानव को जीवन में कर्तव्य की सर्वोच्चता का बोध करवाता है। समाज एवं देश की उन्नति के लिए सभी को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना चाहिए।

आज से लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व मार्गशीर्ष माह की शुक्ल एकादशी को महाभारत युद्ध में कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि पर अर्जुन ने हथियार डाल दिए थे और श्रीकृष्ण से कहा था कि प्रभु मेरे सामने सभी भाई-बंधु, गुरु आदि खड़े हैं और मैं इन पर वार नहीं कर सकता। मैं युद्ध से हट रहा हूं।

अर्जुन के इस तरह कर्म से विमुख होकर मोह में बंधने को श्रीकृष्ण ने अनुचित ठहराया। अर्जुन युद्ध के लिए तैयार हो जाएं व सत्य को जान जाएं इस अभिप्राय से श्रीकृष्ण ने उन्हें कुछ उपदेश दिया था। यही उपदेश गीता है।

गीता के जीवन-दर्शन के अनुसार मनुष्य महान है, अमर है, असीम शक्ति का भंडार है। गीता को संजीवनी विद्या की संज्ञा भी दी गई है। मनुष्य का कर्तव्य क्या है? इसी का बोध कराना गीता का परम लक्ष्य है।

श्रीकृष्ण के इस उपदेश के बाद ही अर्जुन अपना कर्तव्य पहचान पाए थे, फलस्वरूप उन्होंने युद्ध किया, सत्य की असत्य पर जीत हुई और कर्म की विजय हुई।

गीता में कुल 18 अध्याय हैं और महाभारत का युद्ध भी 18 दिन ही चला था।

गीता में कुल सात सौ श्लोक हैं। गीता में ज्ञान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। ज्ञान की प्राप्ति से ही मनुष्य की सभी जिज्ञासाओं का समाधान होता है, इसीलिए गीता को सर्वशास्त्रमयी भी कहा गया है। श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि कर्म करो और फल की चिंता मत करो। फल की इच्छा रखते हुए भी कोई काम मत करो। जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करो और वह भी निष्काम भाव से। श्रीकृष्ण का उपदेश सुन जिस प्रकार अर्जुन का मोहभंग हो गया था और उन्हें पाप और पुण्य का ज्ञान हो गया था।

ठीक उसी प्रकार आज भी गीता का पाठ मन लगाकर करने से मनुष्य तर जाता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

किस कामना के लिए पूजें कौन से शिवलिंग

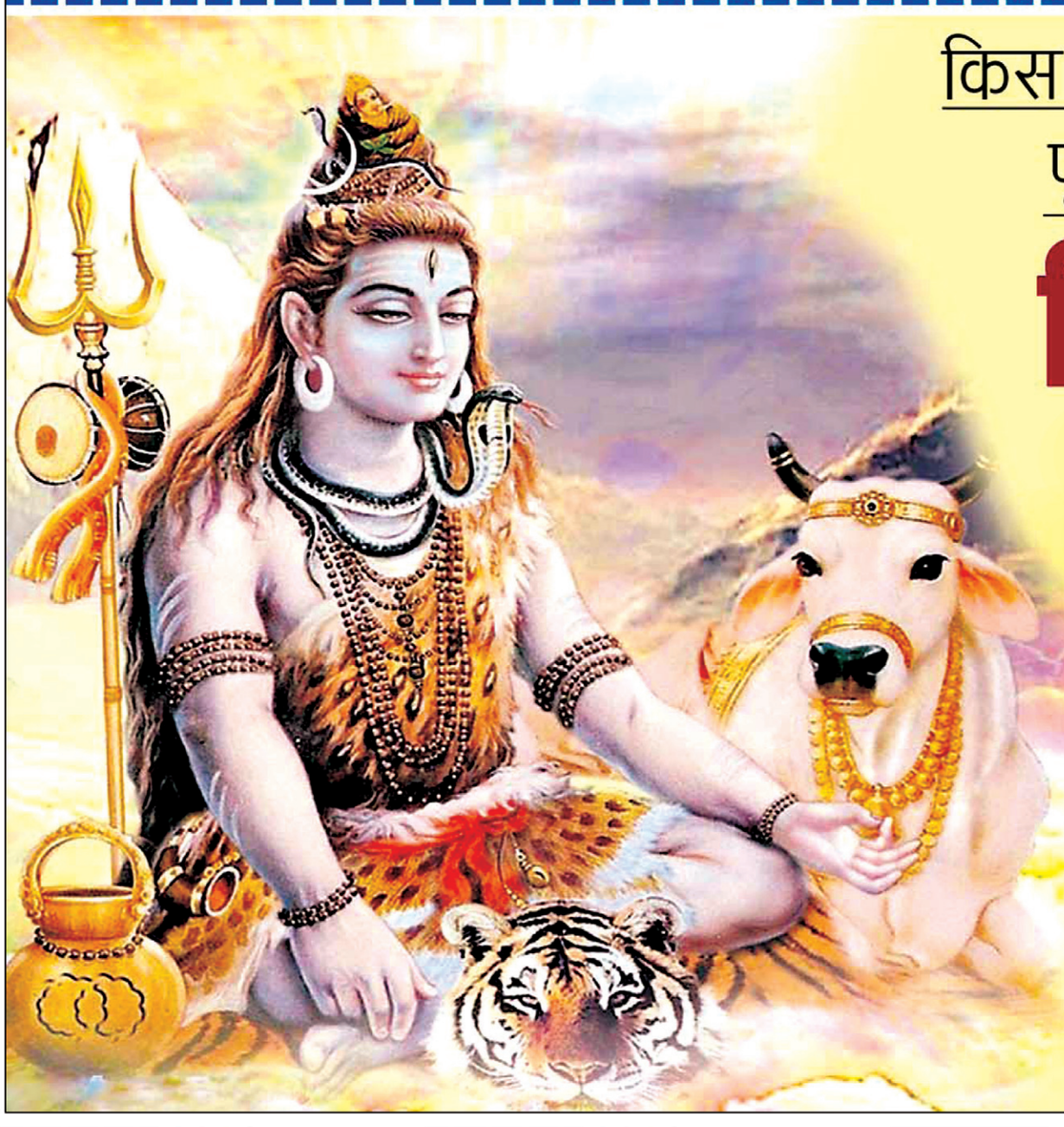

घर में पूजा के लिए आवश्यक है शिवलिंग। नंदी को एक बड़े पात्र में रखें। शिव जी की जलाधारी का मुंह उत्तर दिशा की ओर रखते हुए पूजन प्रारंभ किया जा सकता है।

शिवलिंग कई प्रकार के उपयोग में लाए जाते हैं हर शिवलिंग का फल अलग-अलग है।

1. पार्थिव शिवलिंग- हर कार्य सिद्धि के लिए।
2. गुड़ के शिवलिंग- प्रेम पाने के लिए।
3. भस्म से बने शिवलिंग- सर्वसुख की प्राप्ति के लिए।
4. जौ या चावल या आटे के शिवलिंग- दाम्पत्य सुख, संतान प्राप्ति के लिए।
5. दही से बने शिवलिंग- ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए।
6. पीतल, कांसी के शिवलिंग- मोक्ष प्राप्ति के लिए।
7. सीसा इत्यादि के शिवलिंग- शत्रु संहार के लिए।
8. पारे के शिवलिंग- अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष के लिए।

तुलसी

का सुखा पौधा घर में न रखें

अधिकांश हिंदू घरों में तुलसी का पौधा अवश्य ही होता है। तुलसी घर के आंगन में लगाने की प्रथा हजारों साल पुरानी है। तुलसी को दैवी का रूप माना जाता है। साथ ही मान्यता है कि तुलसी का पौधा घर में होने से घर वालों को बुरी नजर प्रभावित नहीं कर पाती और अन्य बुराइयां भी घर और घरवालों से दूर ही रहती है। तुलसी का पौधा होने से घर का वातावरण पूरी तरह पवित्र और कीटाणुओं से मुक्त रहता है। कभी-कभी किसी कारण से यह पौध सूख भी जाता है ऐसे में इसे घर में नहीं रखना चाहिए बल्कि इसे किसी पवित्र नदी में प्रवाहित करके दूसरा तुलसी का पौधा लगा लेना चाहिए। सुखा हुआ तुलसी का पौधा घर में रखना कई परिस्थितियों में अशुभ माना जाता है। इससे विपरित परिणाम भी प्राप्त हो सकते हैं। घर की बरकत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसी वजह से घर में हमेशा पूरी तरह स्वस्थ तुलसी का पौधा ही लगाया जाना चाहिए। तुलसी का धार्मिक महत्व तो है ही लेकिन विज्ञान के दृष्टिकोण से तुलसी एक औषधि है। आयुर्वेद में तुलसी को संजीवनी बुटि के समान माना जाता है। तुलसी में कई ऐसे गुण होते हैं जो बड़ी-बड़ी जटिल बीमारियों को दूर करने और उनकी रोकथाम करने में सहायक है। तुलसी का पौधा घर में रहने से उसकी सुगंध वातावरण को पवित्र बनाती है और हवा में मौजूद बीमारी के बैक्टेरिया आदि को नष्ट कर देती है। तुलसी की सुंगध हमें श्वास संबंधी कई रोगों से बचाती है। साथ ही तुलसी की एक पत्ती रोज सेवन करने से हमें कभी बुखार नहीं आएगा और इस तरह के सभी रोग हमसे सदा दूर रहते हैं। तुलसी की पत्ती खाने से हमारे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ जाती है।

वास्तु

पेड़-पौधों के आधार पर करें भूमि का चयन

जिस भूमि पर तुलसी के पौधे लगे हों वहां भवन निर्माण करना उत्तम है तुलसी का पौधा अपने चारों ओर का 50 मीटर तक का वातावरण शुद्ध रखता है, क्योंकि शास्त्रों में यह पौधा बहुत ही पवित्र एवं पूजनीय माना गया है।

भारतीय संस्कृति में वृक्षों का अपना महत्वपूर्ण स्थान रहा है। आयुर्वेद के जनक महर्षि चरक ने भी वातावरण की शुद्धता के लिए विशेष वृक्षों का महत्व बताया है। अंततोगत्वा भूमि पर उत्पन्न होने वाले वृक्षों के आधार पर भूमि का चयन किया जाता है।

कांटेदार वृक्ष घर के समीप होने से शत्रु भय होता है। दूध वाला वृक्ष घर के समीप होने से धन का नाश होता है। फल वाले वृक्ष घर के समीप होने से संतति का नाश होता है। इनके काष्ठ भी घर पर लगाना अशुभ हैं। कांटेदार आदि वृक्षों को काटकर उनकी जगह अशोक, पुन्नाग व शमी रोपे जाएं तो उपर्युक्त दोष नहीं लगता है।

* पाकर, गूलर, आम, नीम, बहेड़ा तथा काँटेदार वृक्ष, पीपल, अगस्त, इमली ये सभी घर के समीप निंदित कहे गए हैं।

* भवन निर्माण के पहले यह भी देख लेना चाहिए कि भूमि पर वृक्ष, लता, पौधे, झाड़ी, घास, कांटेदार वृक्ष आदि नहीं हों।

*जिस भूमि पर पपीता, आंवला, अमरूद, अनार, पलाश आदि के वृक्ष बहुत हों वह भूमि, वास्तुशास्त्र में बहुत श्रेष्ठ बताई गई है।

* जिन वृक्षों पर फूल आते रहते हैं और लता एवं वनस्पतियां सरलता से वृद्धि करती हैं इस प्रकार की भूमि भी वास्तुशास्त्र में उत्तम बताई गई है।

* जिस भूमि पर कंटीले वृक्ष, सूखी घास, बैर आदि वृक्ष उत्पन्न होते हैं। वह भूमि वास्तु में निषेध बताई गई है।

* जो व्यक्ति अपने भवन में सुखी रहना चाहते हैं उन्हें कभी भी उस भूमि पर निर्माण नहीं करना चाहिए, जहां पीपल या बड़ का पेड़ हो।

* सीताफल के वृक्ष वाले स्थान पर भी या उसके आसपास भी भवन नहीं बनाना चाहिए। इसे भी वास्तुशास्त्र ने उचित नहीं माना है, क्योंकि सीताफल के वृक्ष पर हमेशा जहरीले जीव-जंतु का वास होता है।

* जिस भूमि पर तुलसी के पौधे लगे हों वहां भवन निर्माण करना उत्तम है तुलसी का पौधा अपने चारों ओर का 50 मीटर तक का वातावरण शुद्ध रखता है, क्योंकि शास्त्रों में यह पौधा बहुत ही पवित्र एवं पूजनीय माना गया है।

* भवन के निकट वृक्ष कम से कम दूरी पर होना चाहिए ताकि दोपहर की छाया भवन पर न पड़े।

संक्षिप्त समाचार

सेजेस बिलाईगढ़ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा

बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बिलाईगढ़ में गुरु पूर्णिमा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा 10वीं की ऊर्जस्वि जांगड़े ,सिमरन साहू,अवंतिका जायसवाल एवं लता साहू, के द्वारा गुरु वन्दना, सरस्वती वंदना एवं गुरु स्तुति से की गई। तथा विद्यालय के शिक्षक- शिक्षिकाओं ने गुरु की महिमा को विस्तार से बताते हुए कहा- कि हम प्रति वर्ष भगवान बुद्ध जी के जयन्ती आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा या गुरु पर्व के रूप में मनाते हैं। भगवान बुद्ध ने पूरे विश्व में अपने ज्ञान के द्वारा आपसी प्रेम, सदभाव एवं विश्व शांति का मार्ग बताया।उनके द्वारा बताये हुए मार्ग पर चल कर पूरे विश्व में शांति की स्थापना हुए। गुरु ही अच्छे छात्र एवं राष्ट्र के निर्माण करते हैं।ऐसे गुरु को हमेशा याद करते हुए हम उन्हें नमन करते हैं। उक्त कार्यक्रम में प्राचार्य श्री नरेंद्र कुमार साहू सेजेस बिलाईगढ़, भारती सोनी,गरिमा साहू, स्वाती देवांगन,भगवती चरण टण्डन, निर्मल टण्डन,ललित बर्मन, श्रीमती अंशु कमलेश, सविता राठौर, वजयंतिमाला,अजरानी भतपहरी, शिवराज चंद्रवंशी,रेणुका देवनाथ, श्रुति वर्मा, अंजुलता, इशिता, अंकित खुंटे, शशांकदास, गुलशन, हीरेन्द्र, दुर्गेश, प्रवीण कुमार आदि समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

असामाजिक तत्वों को नजर अब विज्ञापन होर्डिंग पर, बोल बम कांवर यात्रा समिति द्वारा लगाए फ्लेक्स को फाड़ दिया, पुलिस में शिकायत

पाटन (समय दर्शन)। बोल बम कांवर यात्रा समिति पाटन के संयोजक जितेन्द्र वर्मा (भाजपा जिला अध्यक्ष) के नेतृत्व में 12 अगस्त 2024 को कांवर यात्रा आयोजित किया गया है जो पाटन से सुबह 9 बजे ओग्गर तालाब शिव मंदिर से पूजा अर्चना कर टोलाघाट पहुंचेगी। आयोजन को लेकर व्यापक रूप से समिति द्वारा तैयारी की जा रही है। कांवर यात्रा महोत्सव के प्रचार प्रसार के लिए आत्मानंद चौक पाटन में फ्लेक्स लगाया गया था जो किसी असामाजिक तत्वों द्वारा निकाल कर फाड़ दिया गया है इसकी सूचना जैसे ही बोल बम कांवर यात्रा समिति के सदस्यों को मिली तत्काल थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंप कर कार्यवाही करने के लिए मांग की।पाटन थाना प्रभारी द्वारा उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। ज्ञापन सौंपने वाले में नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले,केवल देवांगन,सागर सोनी,कुणाल शर्मा,आदित्य सावर्णी,मिलन देवांगन सहित बोल बम कांवर यात्रा समिति के सदस्य मौजूद थे।

इंडियन ऑयल ने मद्रास इंटरनेशनल सर्किट पर STORM-X रेसिंग ईंधन लॉन्च किया

चेन्नई: भारत की प्रमुख ऊर्जा कंपनी, इंडियन ऑयल ने मद्रास इंटरनेशनल सर्किट पर इंडियन नेशनल कार रेसिंग चैंपियनशिप के दौरान रेसिंग कारों के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए उच्च-ऑक्टेन रेसिंग ईंधन, STORM-X के लॉन्च की गर्व के साथ घोषणा की। इस महत्वपूर्ण आयोजन ने भारत में मोटरस्पोर्ट्स में क्रांति लाने के उद्देश्य से इंडियनऑयल और मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब (MMSC) के बीच हुए रणनीतिक साझेदारी समझौते का भी जश्न मनाया। इस कार्यक्रम में श्री वी. सतीश कुमार, निदेशक (विपणन), इंडियन ऑयल ने MMSC के पदाधिकारियों - श्री अजीत थॉमस - अध्यक्ष, श्री प्रभा शंकर, सचिव और श्री विक्की चंदोक - उपाध्यक्ष की उपस्थिति में ब्रांड लोगो का अनावरण करके STORM-X को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया। इस सहयोग ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया है, क्योंकि इंडियनऑयल इंडियन नेशनल रेसिंग चैंपियनशिप (INRC) के दौरान रेस ईंधन और स्नेहक की आपूर्ति करेगा और आयोजन स्थल तथा वाहनों की ब्रांडिंग प्रदान करेगा।

वृक्षारोपण एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत् शासकीय महाविद्यालय पाटन में रोपे गए पौधे

पाटन (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू के नेतृत्व मे शासकीय महाविद्यालय पाटन में पौधे रोपे गए। इस अवसर पर जानकारी देते हुये मंडल अध्यक्ष खेमलाल साहू जी ने बताया कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आवाहन पर पूरे भारत देश भर मे एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुवात की गई है जोकि 1जुलाई से 20 जुलाई तक चलेगा इसके अन्दर कई करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है उसी कडी मे आज पाटन स्तिथ शासकीय महाविद्यालय पाटन में पौधे रोपे गए।

उन्होंने कहा हम सभी को चाहिये कि एक पेड़ मां के नाम के संकल्प के साथ हर व्यक्ति को एक पौधा लगाना चाहिए जिससे कि पर्यावरण की सुरक्षा होती रहे जूलाई एवं अगस्त जो कि मानसून का महीना होता है इस मौसम मे लगाये गये पौधों की वृद्धि अच्छे से होती है बारिश के पानी से उनकी सिंचाई हो जाती है जिससे पौधे सुरक्षित रहते हैं एवं प्राकृतिक रूप से भी ये समय पौधारोपण के लिये मुफ़ीद होता है ।ये दोनो महीने हमारे देश मे मानसून के होते हैं जिसमे अच्छी बारिश होती है। इस अवसर पर युवा मोर्चा अध्यक्ष कुणाल शर्मा ने कहा हम लोग अपनी जिम्मेदारी को लेकर सजग है प्रधानमंत्री जी के आवाहन पर दिये गये कार्य हमारी प्राथमिकता मे हैं अभियान के पूर्व दिनों में भी सभी मंदिरों , पार्क , विद्यालय परिसरों में जगह जगह जंहा पौधे सुरक्षित रहे तथा उनका संवर्धन हो वंहा पर अभियान चलाकर पौधे लगाये जायेंगे। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले, पारखत साहू संयोजक एक पेड़ मां के नाम अभियान, मंडल महामंत्री हरिशंकर साहू, सांसद प्रतिनिधि नीतेश तिवारी, भाजपा नगर अध्यक्ष होरीलाल देवांगन, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष केवल देवांगन, युवा मोर्चा अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष कुणाल शर्मा, महामंत्री ओम साहू, महामंत्री रोशन वर्मा, प्रकाश बिजौरा, भाजपा नगर महामंत्री डा.उत्तम निर्मलकर, डा . सुरेश साहू, सागर सोनी, आदित्य सावर्णी, नीतेश साहू, प्रेम कुर्रे, जागेश्वर देशलहरे विज्जु देवांगन, मनीष देवांगन, मनीष कौशले, सहित कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

सावन का पहला सोमवार,भगवा कपड़े में नजर आया कांवरियों का जत्था... भूतेश्वरनाथ गए श्रद्धालु बाढ़ में फंसे

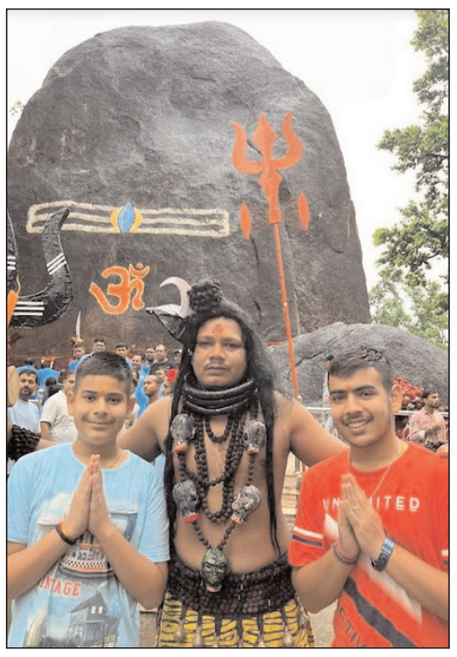

गरियाबंद (समय दर्शन)। सावन का आज पहला दिन है और सावन की शुरुआत ही सोमवार के साथ हुई है। छत्तीसगढ़ के कई शिवालयों में देर रात से ही महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए लंबी लाइन लग गई हैं।मंदिरों में भक्त भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर बोलबम के जयकारे लगा रहे हैं। वहीं विश्व के विशालतम प्राकृतिक शिवलिंग भूतेश्वरनाथ में आज दिनभर कांवड़ियों तथा भगवान शिव के भक्तों का ताता लगा हुआ है। सुबह बाढ़ के चलते जो कांवड़ यात्री नहीं पहुंच पा रहे थे नाले में पानी कम होने के बाद वे भूतेश्वरनाथ पहुंच गए। भक्तों ने भगवान को बेल पत्र चढ़ाकर उनकी पूजा की। बेलपत्र, धतूरे व आंक के फूल लिए भक्त शिव मंदिर में कतार में लगे दिखे।वैसे तो सुबह से ही शिवालयों में भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी लेकिन सुबह करीब 9 से दोपहर 1 बजे तक पूजा के लिए ज्यादातर मंदिरों में कतार लग गई थी।

नगर सेना की टीम ने श्रद्धालुओं को रपटा पार कराया,,,,,,,, अत्यधिक बारिश के चलते हैं भूतेश्वरन मंदिर दर्शन करने आए श्रद्धालु पारागांव नाले में फस गए। दोपहर दो बजे के बाद यहां बाढ़ आ गई। हालाकि पानी कम था लेकिन स्थानीय प्रशासन ने घटना की आशंका को देखते हुए रिस्क लेना जरूरी नहीं समझा। करीब 3 घंटे के बाद एसडीआरएफ नगर सेना की टीम पहुंची जिसके बाद श्रद्धालुओं को नाला पार कराया गया।सावन के आज पहले सोमवार पर दूर-दूर से भक्त गरियाबंद के भूतेश्वर नाथ शिवलिंग के दर्शन के लिए पहुंचे। दोपहर 12:30 बजे तक लगभग 5000 श्रद्धालुओं ने भूतेश्वर महादेव पहुंचकर दर्शन किया, तो वहीं लगभग 500 कांवड़ यात्री भी अपने क्षेत्र की नदियों का जल लेकर यहां पहुंचे है।

घरों में भी होने लगी है आराधना,,,,, सावन का महिना शिव पूजन व सिद्धि प्राप्ति के लिए श्रेष्ठ माना जाता है इसलिए जिनको कालसर्प दोष या अकाल मृत्यु की आशंका रहती है वे अनिष्ट को दूर करने के लिए अपने घरों में विशेष पूजा अर्चना भी करातें हैं। कई घरों में महामृत्युंजय का जप,कालसर्प दोष निवारण के लिए यज्ञ अनुष्ठान कराए जा रहे हैं।

रायपुर , सरायपाली, बरमकेला, सारँगढ़ मुख्य सड़क का पुल क्षतिग्रस्त

सावधान नही बरती तो कभी भी जान माल का हो सकता है नुकसान ?

योगेश कुर्रे/ सारंगढ़ (समय दर्शन)। सारंगढ़ शहर आने का मुख्य मार्ग की मुख्य पुल हो गई जर्जर जिसकी वजह से धीरे धीरे पुल किनारे की मिट्टी घिसता जा रहा और गिरते गिरते सड़क तक आ पहुंचा लेकिन अब भी प्रशासन की नींद नही खुली कही ऐसा ना हो की दर्जनों जिंदगी को निगल जाए और प्रशासन होश में आए आपको बता दे अंग्रेजो की जमाने में बना पुल को आज कई वर्ष बीत चुके अब धीरे धीरे पुल की मिट्टी स्खलन होता जा रहा आपको बता दे रायपुर सराईपाली बरमकेला सरिया को जोड़ना वाला पुल जिला आने का मुख्य मार्ग है बहुत ही ज्यादा व्यवस्था वाली पुल है जहा से प्रतिदिन सैकड़ों भारी वाहन ,स्कूली बस ,यात्री बस कार बाइक सवार सब होकर गुजरते है और एक मात्र रास्ता है जो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है जिसकी कभी किसी वक्त कोई अनहोनी घटना घट सकती है और सबसे बड़ा दुर्भाग्य की इस तरह की संवेदन शील मुद्दो को प्रशासनिक अधिकारियों तक समाज सेवी सतीश यादव ने अवगत करा चुके है लेकिन अब तक किसी प्रकार का कोई संज्ञान नही लिया जा रहा सुरक्षा की दृष्टि से जिला प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए जबकि अभी वर्तमान समय बरसात का चल रहा अभी से ये हाल है कि मिट्टी गिर रहा तो बरसात बढ़ने और तेज बारिश होने के बाद नाला में पानी का बहाव बढ़ता चला जायेगा जिससे की सालो वर्षो पुरानी पुल सीधे ढह जाने की कगार पर आजाएगा फिल्हल जनहित को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और जिला प्रशासन को समय रहते संज्ञान लेने की जरूरत है ।

सड़क नही बनेगा तो होगा चक्का जाम, ग्रामीणों की अंतिम चेतवानी

योगेश कुर्रे / सारंगढ़ (समय दर्शन)। क्या भारत विश्व गुरु की ओर बनने में अग्रसर है तो आखिर किस रास्ते पर जा रही कितनी तेजी से विश्व गुरु बनने की ओर देश बढ़ता जा रहा है हमारे यहाँ तो सड़क ही नही आखिर किस रास्ते पर चल रहा शायद आपको यह शब्द परेशान और हैरान कर दे लेकिन इस बात से नकारा नहीं जा सकता किसी भी मंजिल पर पहुंचने के लिए रास्ता या सड़क जरूर है लेकिन आपको पता है भारत और भरता की राज्यों की सड़क कैसी है ये तस्वीर आपको सब कुछ बया कर देगी आपको बता दे ये सुंदर छत्तीसगढ़ का गड्ढों से भरा जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ है जहा सकड़े कम गड्ढे ज्यादा मिलते है जहा आमनगरिक गर्मी में धूल धक्कड़,तो बरसात में कीचड़ गड्ढे से गिरते गुजरते है ऐसा ही ताजा मामला नवीन जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के बिलाईगढ ब्लाक से है अपको बता दे ग्राम पंचायत गिरसा से ग्राम पंचायत किसड़ा तक 10 कि.मी. प्रधान मंत्री ग्राम सड़क है यह सड़क पुरी तरह से खराब हो गया है कई स्थानों में बड़ी बड़ी गड्ढे हो चूके और सभी गड्ढों में कीचड़ पानी भरा हुआ है जिससे राहगीरों को आने जाने में काफी समस्या हो रही है। यहां बेलादुला व दुरुग में मंडी होन के कारण आवागमन बड़ गया है। जिससे सड़के जर्जर हो गई है। सड़क सुधार के लिए ग्राम पंचायत और ग्रामवासी कलेक्टर से गुहार लगाने पहुंचे है

और ग्रामीणों ने कलेक्टर को अंतिम निवेदन करते हुए कहा की अगर सड़क - 15 से 20 दीन के भीतर नया रोड या मरम्मत कार्य नहीं होता तो समस्त ग्रामवासीयो के द्वारा मेन हाईवे रोड गिरचा में चक्काजाम किया जायेगा जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

जिला स्तरीय गुरू पूर्णिमा उत्सव का किया गया आयोजन

जीवन में गुरु का स्थान सबसे ऊंचा - कलेक्टर

कलेक्टर ने किया शिक्षकों को सम्मानित

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा की मुख्य आतिथ्य में आज सेजेस स्कूल जांजगीर में गुरू पूर्णिमा के अवसर में जिला स्तरीय गुरू पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती माता के चैलचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षको व प्राचार्यों को शॉल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने कहा कि जीवन में कोई भी गुरू का स्थान नहीं ले सकता, गुरू वह है जो ज्ञान दे, कोई नई सीख दे व जीवन की दिशा व दशा को बताये। जीवन में क्या गलत, क्या सही है इसके बारे में जानकारी दे, मोटिवेट करें और बच्चों को उनकी रूचि के अनुरूप उनके मंजिल तक पहुचाने का कार्य करें वह हैं गुरू। उन्होंने कहा कि हम लोगो के जीवन में कोई एक शिक्षक ऐसा जरूर होता है जिसे हम कभी नहीं भुलते। उन्होंने जीवन में गुरू के महत्व को विस्तार से बताया और कहा कि जीवन में गुरु का स्थान सबसे ऊपर है। कलेक्टर ने कहा कि हमारे जिले में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए जिले में कई गतिविधियां संचालित की जा रही है। जिसमें बोलेगा बचपन, पढ़ाई का कोना, विनोबा एप, उत्कृष्ट जांजगीर-चांपा शामिल हैं। बच्चों में डर व झिझक को इन कार्यक्रमों के माध्यम से निखारने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं को गुरूपूर्णिमा की शुभकामनाएं व बधाई भी दी। सहायक कलेक्टर श्री दुर्गा प्रसाद अधिकारी ने कार्यक्रम में गुरू पूर्णिमा को लेकर सारगर्भित श्लोक सुनाया। उन्होंने सभी शिक्षकों से अनुरोध करते हुए कहा है कि जिला प्रशासन द्वारा जो शिक्षा के प्रति उत्कृष्ट जांजगीर-चांपा अभियान चलाया गया है उसे पूर्ण करते हुए बच्चों को अच्छी से अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करें व प्रदेश सहित देश में भी जांजगीर-चांपा जिले का नाम रोशन करें। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्वनी भारद्वाज सहित प्रचार्य, शिक्षणगण, छात्र-छात्राएं व संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

पाटन राज कुर्मी समाज की बैठक में लिया प्रस्ताव पर निर्णय

पाटन (समय दर्शन)। छ.ग. म.कुर्मी क्षत्रिय समाज पाटन राज कार्यकारिणी की बैठक रविवार को कुर्मी भवन पाटन में युगल किशोर आडिल राजप्रधान पाटन राज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के महापुरुषों डॉ. खूबचंद बघेल, स्वामी आत्मानंद जी महराज एवं छत्रपति शिवाजी महाराज के छायाचित्रों पर माल्यार्पण करने के पश्चात समाज के दिवंगत आत्माओं में क्रमश: स्व. चोवाराम वर्मा केन्द्रीय अध्यक्ष छ. ग.म.कु.क्ष.समाज, स्व.योगेश कश्यप, बिसौहा राम कश्यप अखरा, लता वर्मा कुर्मिगुंडरा, शकुन वर्मा बरबसपुर, सुखनंदन वर्मा मर्रा सहित अज्ञात ब्रम्हलीन आत्माओ को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात राजप्रधान के द्वारा केन्द्र के निर्देशों को बैठक में उपस्थित स्वजतियो को अवगत कराया जिसमें विवाह योग्य युवक युवतियों का बायोडाटा संकलन करने जिसे समाज द्वारा प्रकाशित परिणय पुष्प में प्रकाशित किया जा सके। साथ ही प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं जो मैरिट में 10वीं 12वीं में 80 प्रतिशत एवं स्नातक स्नातकोत्तर में 70 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण किया हो वो छात्रवृत्ति प्रभारी के पास अपना आवेदन निर्धारित तिथि के अंदर जमा कर सकते हैं। उसके बाद प्रकरण की कार्यवाही शुरू किया गया राजमंत्री केदार कश्यप ने बताया कि राजकार्यकरिणी को जो आवेदन प्राप्त हुआ है। उस प्रकरण पर आवेदक एवं अनावेदक के बयान उपरांत निर्णय देकर प्रकरणों का निपटारा किया गया। एक प्रकरण पर अनावेदक की अनुपस्थिति के कारण उक्त प्रकरण की सुनवाई नहीं हो सका। पाटन राजकार्यकरिणी के द्वारा 28 जुलाई को डॉ. खूबचंद बघेल जयंती मनाये जाने का सर्वसम्मति से प्रस्ताव लिया गया। तथा मंचीय कार्यक्रम के लिए अतिथियो का चयन किया गया। जिसमें-मुख्य अतिथि भूपेश बघेल पूर्व मुख्यमंत्री एवं मुख्य संरक्षक छ. ग.म.कु.समाज, अध्यक्षता- युगल किशोर आडिल राजप्रधान पाटन राज,अतिविशिष्ट अतिथि- विजय बघेल, सांसद दुर्ग एवं संरक्षक छ.ग. म.कु.क्ष.समाज, विशेष अतिथि- सीताराम वर्मा, पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष छ. ग.म.कु.समाज, जितेन्द्र वर्मा, अध्यक्ष जिला भाजपा दुर्ग, भूपेन्द्र कश्यप, अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन, को अतिथि बनाये जाने हेतु सामाजिक पदाधिकारियों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

बैठक में विशेष रुप से संरक्षक शंकर बघेल, राजप्रधान युगल किशोर आडिल, राजमंत्री केदार कश्यप, कोषाध्यक्ष नीलमणी वर्मा, महिला अध्यक्ष रंजन वर्मा, बिष्णु वर्मा, पुरेन्द्र वर्मा,डूमन वर्मा,अरविन्द वर्मा, शंकर वर्मा, बिरेन्द्र बंछोर, नरेन्द्र नायक, शिव वर्मा, झालाराम वर्मा, सुषमा वर्मा, रानी बंछोर, बीरेन्द्र वर्मा, ओमप्रकाश वर्मा, सुनील वर्मा, पुष्पा वर्मा, प्रेमनारायण वर्मा,राजेश्वरी वर्मा, हिरेन्द्र वर्मा,उदयकरण वर्मा, हेमनाथ कश्यप, नागेन्द्र वर्मा सहित अन्य स्वजातीय उपस्थित रहे।

खबर-खास

इंडकल टेक्नोलॉजीज़ भारत में एसर ब्रांड के तहत स्मार्टफोन लॉन्च करेगी

नईदिल्ली। भारत की जानी-मानी टेक्नोलॉजी कंपनी इंडकल टेक्नोलॉजीज़ ने आज एसर इनकॉर्पोरेटेड के साथ ट्रेडमार्क लाइसेंसिंग समझौते के तहत स्मार्टफोन बाजार में प्रवेश करने की घोषणा की है। इंडकल टेक्नोलॉजीज़ एक ग्लोबल आईसीटी दिग्गज है, जो अपनी खास टेक्नोलॉजी और शानदार उत्पादों के लिए जानी जाती है। इस समझौते के तहत, इंडकल भारत में एसर ब्रांड के तहत स्मार्टफोन की डिजाइनिंग, उत्पादन और वितरण करेगी। यह रणनीतिक डील भारतीय बाजार में एसर-ब्रांडेड स्मार्टफोन की शुरूआत का संकेत है। इसके साथ ही नवाचार और विस्तार के एक नए युग की शुरुआत भी होती है। इंडकल टेक्नोलॉजीज़ 2024 के मध्य में एसर ब्रांड के तहत स्मार्टफोन मॉडल्स की एक विस्तृत श्रृंखला लॉन्च करेगी। उम्मीद है कि कंपनी जल्दी ही बाजार में मजबूत और बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर लेगी। यह प्रयास एसर की ब्रांड की ताकत और भारतीय उपभोक्ताओं को प्रीमियम-गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराने की इंडकल की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है, जिसमें मजबूत स्पेसिफिक्रेशन, अत्याधुनिक हार्डवेयर और उन्नत सॉफ्टवेयर तकनीकें शामिल हैं। इंडकल टेक्नोलॉजीज़ के सीईओ आनंद दुबे ने इस मौके पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, एसर स्मार्टफोन कुछ ऐसा है जिस पर हम पिछले कुछ सालों से काम कर रहे हैं और आखिरकार हम इस फैसले की घोषणा करते हुए बेहद खुश हैं। हमें यकीन है कि एसर स्मार्टफोन के साथ भारतीय उपभोक्ताओं को एक बेहतरीन अनुभव मिलने वाला है। हमारे ग्राहक बेहतरीन प्रोसेसर, बेहतरीन कैमरा तकनीक और अपने रेंज में कई बेहतरीन फीचर्स के साथ बेहतरीन तरीके से डिजाइन किए गए स्मार्टफोन का अनुभव करेंगे।

आईडीबीआई बैंक ने लाभ में साल दर साल 40 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की

नईदिल्ली। आज आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए बैंक का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 40 प्रतिशत वृद्धि करते हुए 1,719 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग लाभ 2,076 करोड़ रहा। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.18 प्रतिशत का शुद्ध ब्याज मार्जिन दर्ज हुआ और वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 3,233 करोड़ रही, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 3,998 करोड़ थी। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में जमा की लागत 4.58 प्रतिशत रही, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 4.12 प्रतिशत थी। सीआरएआर साल-दर-साल 209 बीपीएस की वृद्धि करते हुए 22.42 प्रतिशत पर पहुँच गया। एसेट्स पर रिटर्न साल-दर-साल 34 बीपीएस की वृद्धि के साथ 1.83 प्रतिशत रहा, तथा ईक्विटी पर रिटर्न साल-दर-साल 123 बीपीएस बढ़ते हुए 19.87 प्रतिशत पर पहुँच गया। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में शुद्ध एनपीए 30 जून 2023 को 0.44 प्रतिशत से घटकर 0.23 प्रतिशत रह गया और सकल एनपीए 30 जून 2023 को 5.05 प्रतिशत से कम होकर 3.87 प्रतिशत पर आ गया।

सिकासार जलाशय से सोमवार को 1250 क्यूसेक पानी छोड़ा गया

गरियाबंद। जिले में स्थित सिकासार जलाशय का जलभराव 22 जुलाई को 101.25 मि.क्यू.मी 50.91 प्रतिशत है।जल संसाधन संभाग गरियाबंद के कार्यपालन अभियंता एस.के.बर्मन ने जानकारी दे हुए बताया कि कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश हो रही है,जिससे जलाशय में 6 हजार 700 क्यूसेक पानी का आवक बना हुआ है।जिससे जलाशय का जल स्तर निरंतर बढ़ रहा है।सिकासार बांध की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पावर प्लांट से विद्युत उत्पादन के लिए 1250 क्यूसेक पानी सोमवार 22 जुलाई को दोपहर 12.30 बजे छोड़ा गया है।

अब दोपहर तीन बजे के बाद सैलानी नहीं कर सकेंगे, चिंगरापगार का दीदार, भीड़ को देखते हुए वन विभाग ने किया प्रवेश प्रतिबंधित

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय से 12 किमी दूर रायपुर मार्ग में ग्राम बारूका के समीप स्थित चिंगरापगार जलप्रपात में जिले सहित प्रदेशभर से आने वाले सैलानी अब दोपहर तीन बजे तक ही इस प्राकृतिक और मनोरम जलप्रपात का दीदार कर पाएंगे।मानसून के बाद लगातार यहां बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था को देखते हुए वन विभाग ने शनिवार से यहां दोपहर बाद प्रवेश बंद कर दिया है।इसके साथ ही वन अमले ने लोगों को रोकने बकायदा कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगा दी है।ज्ञात हो कि पिछले साल भी वन विभाग ने अव्यवस्था,अत्यधिक भीड़ और बाढ़ की घटना के बाद इसी तरह प्रवेश में रोक लगा दी थी।

उल्लेखनीय है कि मानसून की दस्तक के साथ ही चिंगरापगार जलप्रपात में सैलानियों के आने के सिलसिला शुरू हो गया है। विशेषकर शनिवार और रविवार को यहां सैलानियों की बेतहासा भीड़ पहुंचती है। पिछले साल यहां मारपीट लड़ाई जैसे घटना हो गई थी, इसके बाद यहां

रपटा टूटने से बाढ़ में हजारों लोग फंस गए थे। प्रशासन ने तब रेस्क्यू कर लोगों को बाहर निकालना था। इसे देखते हुए इस वर्ष प्रशासन ने शुरुवात से ही एहतियातन तौर पर दोपहर तीन बजे के बाद लोगों के प्रवेश में रोक लगा दी है।मौके पर तैनात वन विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि चिंगरा पगार में बाहर से आने वाले सैलानियों को दोपहर 3:00 बजे के बाद प्रवेश नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही शाम 5:00 बजे तक चिंगरा पगार जलप्रपात के अंदर की भीड़ को भी बाहर कर दिया जाएगा। वहीं अंदर पार्किंग स्थल भी रपटा के पहले बना दिया गया है। जिससे कोई परेशानी ना हो।ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय जलप्रपात में से एक चिंगरापगार जलप्रपात में बरसात के मौसम में हजारों की संख्या में सैलानी बरसाती जगने का लुफ्त उठाने पहुंचते हैं। बीते दो तीन सालों से लगातार यहां सैलानियों की भीड़ बढ़ने लगी है। राजधानी से नजदीक और मुख्य मार्ग से जुड़े होने के कारण सैलानी भी यहां आना ज्यादा पसंद करते है।

जिले में नकली खाद बीज, कीटनाशक विक्रय रोकने कृषि केन्द्रों का किया जा रहा निरीक्षण

7 दुकानों कृषि सेवा केन्द्रों को नोटिस जारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार जिलें में बीज,कीटनाशक एवं उर्वरक के अवैध परिवहन, नकली खाद बीज का विक्रय रोकने तथा शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही कृषकों को उर्वरक एवं बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा है।उप संचालक कृषि चंदन कुमार रॉय के मार्गदर्शन मे सहायक संचालक रमेश कुमार निषाद के द्वारा विकासखण्ड देवभोग के दो प्रतिष्ठान मेसर्स संदीप टेड्डर्स,हरि ओम किसान बीज उत्पाद,विकासखंड मैनपुर के सत्या एग्रो केयर गोहरापदर,विकासखंड फिंगेश्वर ग्राम जामगांव के जय माँ मौली कृषि केन्द्र,पप्पू कृषि केन्द्र का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान विक्रय केन्द्रो के समस्त दस्तावेज,स्कंध पंजी,बिलबुक,अनुज्ञप्ति पत्र एवं प्रतिष्ठान मे विक्रय हेतु उपलब्ध उत्पाद इत्यादि का अवलोकन किया गया।उपरोक्त केन्द्रो मे कीटनाशको एवं उर्वरको का स्कंध

संधारण में अनियमितता पाये जाने तथा उर्वरक विर्क्रय में पॉस मशीन के नियमित उपयोग नहीं करने के कारण पॉस एवं भौतिक स्कंध में अंतर पाया गया।इसी क्रम में महेश कुमार पैकरा सहायक संचालक कृषि,द्वारा विकासखण्ड छुरा में चंचल ट्रेडर्स तथा विकासखण्ड मैनपुर के मेसर्स दास ट्रेडर्स ग्राम भूतबेडा का औचक निरीक्षण कर छापामार कार्यवाही की गई।जिसमें निर्धारित तरीके से अभिलेखों का रखरखाव, भंडारण की स्थिति,एवं मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं करना पाया गया।जिसके कारण उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 में निहित प्रावधानानुसार 1 उर्वरक अनुज्ञप्ति पत्र 7 दिवस हेतु निलंबन की कार्यवाही किया गया तथा 1 उर्वरक विक्रेता को नोटिस जारी किया गया।साथ ही कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं नियम 1971 के तहत् 6 कीटनाशक प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर 3 दिवस के भीतर जवाब तलब किया गया है।कृषि विभाग द्वारा कृषकगणों से अपील किया गया है।निर्धारित दर पर अधिकृत विक्रेता से ही बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक का क्रय करें।अनाधिकृत रूप से व्यवसाय अथवा अधिक कीमत पर विक्रय करने पर विभागीय कर्मचारियों को सूचित करे।

सिकल सेल संगवारी पहल के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में सिकल संगवारी पहल कार्यकम के अन्तर्गत सिकल सेल प्रबंधन टैब हाइड्रोक्सीयूरिया का उपयोग एवं मॉनिटरिंग विषय पर मास्टर ट्रेनर डॉ. योगेश्वर कालकोन्डे एम.डी. मेडिसिन संगवारी पीपलस एसोसेसियन फारइक्यूवीटी एंड हेल्थ द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण जिला चिकित्सालय दुर्ग में आयोजित किया गया। आईबी ग्रुप के द्वारा वित्त पोषित संस्था के माध्यम से सिकल सेल संगवारी संस्था के द्वारा जिला चिकित्सालय दुर्ग में सिकल सेल संगवारी कक्ष का संचालन किया जा रहा है। जिसमें सिकल सेल के मरीजों को शासकीय चिकित्सालय में शासकीय योजनाओं के अन्तर्गत निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जाता है। संस्था के द्वारा अब पूरे जिले में विस्तार करने के लिए समस्त विकासखण्ड अधिकारी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के चिकित्सा अधिकारियों को जिला चिकित्सालय दुर्ग में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिसमें जिला चिकित्सालय के 05 चिकित्सक एवं ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों से 07 चिकित्सकों को सिकल सेल पीड़ितों के उपचार एवं सिकल सेल मरीजों के योजना की लाभ दिलाने हेतु प्रशिक्षित किया गया। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक के द्वारा जिला चिकित्सालय दुर्ग में सभी सिकल सेल मरीजों का उपचार एवं परामर्श की सुविधा निःशुल्क प्रदाय की जा रही है। सिकल संगवारी पहल टीम सिकल सेल मरीजों की काउंसलिंग, टैब हाइड्रोक्सीयूरिया के बारे में जानकारी, उनके संदेह को दूर करने एवं कन्फर्मेंट्री टेस्ट, जिला चिकित्सालय में करवाने तथा डॉक्टरी सलाह में मदद, वार्ड में भर्ती सिकल मरीजों को काउंसलिंग व दवाईयां एवं सही मार्गदर्शन प्रदाय करने का कार्य कर रही हैं।

जिले में मलेरिया के नियंत्रण और बचाव के लिए दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच रही स्वास्थ्य विभाग की टीम

गरियाबंद (समय दर्शन)। विषम भौगोलिक परिस्थियों और घने जंगलों से आच्छादित होने के कारण बारिश के दिनों में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में मलेरिया के केस बढ़ने की संभावना रहती है।लोगों को मलेरिया से बचाने एवं मलेरिया प्रकरण नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया रोकने के लिए सक्रियता से अभियान चलाया जा रहा है।स्वास्थ्य विभाग की टीम दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के बसाहटों में पहुंच रही है।घने जंगलों एवं नदी-नालों को पारकर स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिन की टीम गांवों में पहुंचकर लोगों को मलेरियारोधी दवाईयों के साथ मच्छरदानी का भी वितरण कर रही है।साथ ही लोगों को मलेरिया से बचाव के लिए किये जाने वाले आवश्यक उपाय के बारे में जागरूक भी किया जा रहा है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गार्गी यदु पाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से कार्य करते हुए मलेरिया की रोकथाम के लिए प्रयास कर रही है।मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए गत वर्षों में जहां मलेरिया के अधिक प्रकरण मिले थे उन 60 ग्रामों में डी.डी.टी. का छिड़काव किया गया है।उन्होंने बताया कि जिले के तीन विकासखंडों (गरियाबंद,छुरा एवं मैनपुर) में मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में वर्ष 2022 में कुल 75 हजार 77 मच्छरदानी तथा वर्ष 2023 में 37 हजार 499 मच्छरदानी वितरित की गई थी।इसी प्रकार वर्तमान में भी लगातार मच्छरदानियों का वितरण किया जा रहा है। सीएमएचओ ने बताया कि 10 जून 2024 से मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत गरियाबंद जिले के तीन विकासखंडों गरियाबंद, छुरा एवं मैनपुर में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के 10 वें चरण के अंतर्गत चिन्हित गांवों में लगातार घर घर सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। आरडी किट के द्वारा लोगों की मलेरिया जांच की जा रही है।अभी तक विकासखण्ड गरियाबंद के 7049 विकासखंड छुरा के 3870 तथा विकासखंड मैनपुर के 12061 व्यक्तियों की मलेरिया जांच की जा चुकी है।उसमें गरियाबंद जिले में कुल 51 व्यक्ति मलेरिया पॉजीटिव मिले हैं।जिसमें मैनपुर ब्लॉक के 35 लोग मलेरिया रोगी मिले।जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैनपुर और जिला चिकित्सालय गरियाबंद में भर्ती कर ईलाज किया गया।सीएमएचओ ने बताया कि मलेरिया से सर्वाधिक प्रभावित मैनपुर ब्लॉक के ग्रामों में बीएमओ डॉ गजेन्द्र ध्रुव और स्वास्थ्य विभाग की टीम घने जंगलों, नदी-नालों और पहाड़ों को पार कर कच्चे रास्तों में पैदल चलकर लगातार भ्रमण कर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर मरीजों के जांच और उपचार के साथ ही मलेरिया से बचने के लिए जागरूक भी कर रहे हैं।

सावन की पहली बारिश में ही कई गांव का संपर्क जिला मुख्यालय से टूटा

गरियाबंद। रविवार शाम श्रावण मास प्रारंभ हो चुका है और श्रावण मास के पहले से ही क्षेत्र में रुकरुक हो रही तेज बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है,वही सोमवार के सुबह से जिला मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर ग्राम नांगाबुडा का संपर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है।ज्ञात हो कि ग्राम नांगाबुडा से लगे छै मासी नाला के रपटा के ऊपर दो से तीन फीट पानी का बहाव चल रहा है जिससे उस और पड़ने वाले ग्राम का संपर्क टूट गया है ,क्योंकि नांगाबुडा से आगे बारुका और सम्बलपुर ग्राम के समीप दो नाले है उनमे भी दो से तीन फीट पानी भरा है,वही कस ग्राम और चिखली ग्राम के साथ घुटकुनवापारा नाले में भी पानी चलने के कारण उस ग्राम के लोगो का संपर्क जिला मुख्यालय से विक्षेद हो गया है।

।। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कवर्धा, जिला- कबीरधाम ।।

// ईश्तहार //

अ/2, वर्ष 2023-24
ई. कोर्ट नंबर.............................
क्र./2538/अ.वि.व./प्रवा-2/2024
कवर्धा, दिनांक 16.07.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्रामवासीगण भोजूराम पिता सहेतर निवास का पता- ग्राम जैतपुरी तहसील- पिपरिया जिला- कबीरधाम, छत्तीसगढ़ के अपने निजी स्वामित्व की ग्राम जैतपुरी प.ह.नं. 34, रा.नि.मं. मरका तहसील- पिपरिया स्थित भूमि खसरा नंबर 109/2, रकबा 0.202 हेक्टेयर भूमि को औद्योगिक प्रयोजनार्थ (गुड़ उद्योग) व्यपवर्तन किए जाने हेतु आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है।

अतः आवेदित भूमि का व्यपवर्तन किए जाने से जिन किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा/ आपत्ति हो तो सुनवाई तिथि 29.07.2024 को समय 5:30 बजे तक स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से कर सकते है। पश्चात के दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

आज दिनांक 15.07.2024 को मेरे हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी।
जारी दिनांक 15.07.2024
पेशी दिनांक 29.07.2024

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कवर्धा
जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-4

//ईश्तहार//

मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भः- जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00003 बेलोदी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- आरडी 202324430106000015

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00003 के अंतर्गत ग्राम बेलोदी के वर्तमान भूमिस्वामी धीरज देशमुख पिता/पति-धरमू देशमुख पता-बेलौदी, मनटोरा देशमुख पिता/पति-धरमू देशमुख पता-बेलोदी, बरतनीन देशमुख पिता/पति-धरमू देशमुख पता-बेलोदी, बीरम देशमुख पिता/पति-धरमू देशमुख पता-बेलोदी के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 87(0.1900), 203(0.1300), 419(0.0400), 847(0.0800) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता बीरम देशमुख पिता/पति-धरमू देशमुख पता-बेलोदी, मनटोरा देशमुख पिता/ पति-धरमू देशमुख पता-बेलोदी, बरतनीन देशमुख पिता/पति-धरमू देशमुख पता-बेलोदी के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 22/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 4 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार दुर्ग

कार्यालय नगर पालिक निगम जोन क्रमांक- 06, रायपुर (छ.ग.)

--:: निविदा आमंत्रण सूचना ::--

क्रमांक 24/न.पा.नि./ जोन क्रमांक - 06/2024-25 रायपुर, दिनांक 18/07/2024

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न कार्य हेतु निर्धारित **SOR** (निविदा दिनांक तक संशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों (ई-रजिस्ट्रेशन डी एवं उससे ऊपर) / फर्म एवं संस्था / एजेंसी से दो लिफाफा पद्धति के अनुसार (लिफाफ अ में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज एवं ब में निविदा प्रपत्र) सील बंद निविदा पृथक-पृथक आमंत्रित की जाती है।

संबंधित कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु दिनांक 06/08/2024 तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा कर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज दिनांक 14/08/2024 तक पंजीकृत डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से सायं 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदाये दिनांक 16/08/2024 को सुबह 11:30 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। निविदा आमंत्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	आगणित राशि रू (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	एस.ओ.आर.	समय अवधि
1.	श.पंकज विक्रम वार्ड क्रमांक 58 अंतर्गत स्थित नरैया तालाब में शौचालय निर्माण एवं अन्य मरम्मत कार्य।	प्रथम	संधारण मद	4.00	4000.00	750.00	PWD Building SOR 01.01..2015	02 माह
2.	श.पंकज विक्रम वार्ड क्रमांक 58 अंतर्गत स्थित नरैया तालाब के पास जिम सामग्री क्रय कर स्थापित कर 5 वर्ष मेंटेनेन्स करने का कार्य।	प्रथम	संधारण मद	5.92	5000.00	750.00	ITEM RATE NON SOR	स्थापित 1 माह मेंटेनेन्स 5 वर्ष
3.	मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड क्रमांक 59 अंतर्गत मठपुरैना शिव चौक स्थित सार्वजनिक भवन का मरम्मत कार्य ।	प्रथम	पार्षद निधि	2.00	2000.00	300.00	PWD Building SOR 01.01..2015	02 माह

-:: निविदा से संबंधित अन्य जानकारी व शर्ते ::-

कार्य के निविदा हेतु संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है:-

लिफाफा अ में :-
(1) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ. डी. आर (निविदा खोलने तिथि तक वैध होना चाहिए) मूलप्रति ।
(2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने बाबत् शपथ पत्र संलग्न करें। (3) फर्म / एजेंसी के नाम का वैध पंजीयन की प्रति।
(4) बैंक साल्वेंसी की प्रति। (5) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (6) 3 वर्षो का आईटीआर एवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का जीएसटीआर की प्रति ।

लिफाफा ब में :- (1) निविदा प्रपत्र

शर्ते :- (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट से स्वीकार की जावेगी। (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त की जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी। (3) ठेकेदार/ फर्म एवं संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी. विभाग से बकाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट) अथवा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन क्रं. 06
नगर पालिक निगम, रायपुर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!

//ईश्तहार//

रा.प्र.क्र./ अ-6/वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बिरेन्द्र कुमार मिश्रा पिता ए.एन. मिश्रा निवासी सिविक सेंटर भिलाई द्वारा ग्राम कोहका प.ह.नं. 45 स्थित भूमि ख.नं. 1348 रकबा 0.020 भूमि आवेदक के पिता अमरनाथ पिता सरस्वती प्रसाद मिश्रा के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। खातेदार की मृत्यु होने से मृतक का नाम विलोपित कर उनके विधिक वारीसानो का नाम दर्ज किये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो सो सुनवाई तिथि दिनांक 12.08.2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19.07.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील, भिलाई नगर

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-2

//ईश्तहार//

मामले की श्रेणीः राजस्व

संदर्भः जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00042 कातुलबोड ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- आरडी 202324430103500045

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00042 के अंतर्गत ग्राम कातुलबोड के वर्तमान भूमिस्वामी मेघा अनिल देशपान्डे पिता/पति-ध.प.स्व. अनिल मनोहर देशपान्डे पता-कातुलबोड द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 3/159 (0.0180) में प्रस्तावित भूमिस्वामी क्रेता अमित देशपाण्डे पिता/पति-पितास्व. अनिल मनोहर पता-विल्लोसी- 303, स्प्रिंगवेली ड्यूकटरा हिल्स हुजुर भोपाल (म.प्र.), अमर देशपाण्डे पिता/पति-पितास्व. अनिल मनोहर पता-विल्लोसी 303, स्प्रिंगवेली ड्यूकटरा हिल्स हुजुर भोपाल (म.प्र.) के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 11/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग 2 पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 19/06/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार दुर्ग

मामले की श्रेणीः राजस्व

//ईश्तहार//

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00005 भेड़सर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- आरडी 202324430100900021

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00005 के अंतर्गत ग्राम भेड़सर के वर्तमान भूमिस्वामी चितेश गौतम पिता/पति-ईश्वरी प्रसाद गौतम पता-भेंडसर, योगिता देशमुख पिता/पति-ईश्वरी प्रसाद गौतम पता-भेंडसर, निर्मला गौतम पिता/ पति-ईश्वरी प्रसाद गौतम पता-भेंडसर, कुलेश गौतम पिता/ पति-ईश्वरी प्रसाद गौतम पता-भेंडसर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 239 (0.7800), 832/1(0.3200), 842(1.0700), 651(0.0300) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता योगिता देशमुख पिता/पति-ईश्वरी प्रसाद गौतम पता-भेंडसर, निर्मला गौतम पिता/पति-ईश्वरी प्रसाद गौतम पता-भेंडसर, रिद्धी गौतम पिता/पति-पिता स्व. चितेश गौतम पता-भेडसर, श्रीमती हीरामणी गौतम पिता/पति-पति स चितेश गौतम पता-भेडसर, याचना गौतम पिता/पति-पिता स्व. चितेश गौतम पता-भेडसर, कुलेश गौतम पिता/पति-ईश्वरी प्रसाद गौतम पता-भेंडसर के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 25/07/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 02/07/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

नायब तहसीलदार दुर्ग

तिलकपुर मे दाह संस्कार रोड किनारे, शौक नहीं मजबूरी

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा के पिरदा क्षेत्रान्तर्गत की ग्रामीण इलाका एवं पिथौरा विकासखण्ड के शरहद पर बसा गाँव तिलकपुर मे दाह संस्कार रोड मे ही करने के लिए लोग मजबूर हैं। यह लोगों का शौक नहीं मजबूरी का कारण है। क्योंकि यहाँ अधिकारियों की सुस्ती के चलते यहाँ शासकीय भूमि कब्जा का शिकार हो चुका है। महासमुंद जिला एवं बसना विधानसभा के पिथौरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पथरला के आश्रित ग्राम तिलकपुर मे दाह संस्कार रोड किनारे ही किया जा रहा है ,ऐसा करना ग्रामीणों का शौक नहीं है उन्हें ऐसे करने के लिए मजबूर होना पड रहा है ,चूं कि श्मशान घाट की भूमि पर अवैध कब्जा है और काबिज व्यक्ति द्वारा वहां डबल फ़सल लिया जा रहा है। शिकायत कर्ता ने बाकायदा इसकी शिकायत राजस्व विभाग से की है, लेकिन अभी तक कार्यवाही नहीं किया जा रहा है। शिकायत कर्ता के अनुसार इस संबंध में कमिश्नर से भी उचित कार्यवाही के लिए पत्र जारी हुवा है, लेकिन पिथौरा तहसीलदार द्वारा कार्यवाही को लेकर स्छरूसे दिशा निर्देश मांगा गया है ।अब ज़ब तक ठोस कार्यवाही नहीं होता है लोगो को इसी तरह रोड किनारे ही दाह संस्कार करना पड़ेगा! मामले मे पंचायत सचिव ने कहा कि, ग्रामीणों के लिए दाह संस्कार को लेकर परेशानी होती है। राजस्व विभाग अगर संबंधित भूमि को मुक्त कराती है तो उक्त जगह को दाह संस्कार के लिए सुनियोजित तरीके से बनाया जा सकता है।

संक्षिप्त-खबर

मैदानी अमले के विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु सौंपा ज्ञापन

पाटन (समय दर्शन)। स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारी संघ दुर्ग के प्रतिनिधिमंडल ने अपर कलेक्टर दुर्ग से सौजन्य मुलाकात कर स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु ज्ञापन सौंपा गया जिसमे मुख्यरूप से टीकाकरण सत्र तक वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूशन व्यवस्था दुरुस्त करने, लंबे समय तक लंबित पड़े भुगतानो तथा स्वास्थ्य संयोजक कर्मचारियों पर पड़ने वाले अतिरिक्त कार्यों के प्रभार से शासकीय सेवाओं उत्पन्न होने वाली समस्याओं तथा मरीजों को होने वाली असुविधाओं से अवगत कराया गया। अपर कलेक्टर द्वारा जल्द ही सभी समस्याओं के निराकरण करने ठोस आश्वाशन दिया गया द्य इस दौरान संघ के जिलाध्यक्ष प्रवीण रात्रे ,नीलकमल साहू ,मुकेश साहू,अनुसुईया साहू,राकेश सार्वा, भाग्यलक्ष्मी धुरंधर,प्रदीप चंद्रा,वीरेंद्र सिंहा समेत अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एमएस बेलतरा में गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया

साजा (समय दर्शन)। एमएस बेलतरा में गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया गया ,जिसमे सर्वप्रथम शिक्षको एवं विद्यार्थियों द्वारा मां सरस्वती की पूजा की गई। तत्पश्चात गुरु एवं शिष्य, आश्रम व्यवस्था के बारे में बताया गया। बच्चो द्वारा गुरुओं का सम्मान किया गया एवं आशीर्वाद लिया गया। गुरु पूर्णिमा पर्व को मनाया जाने का ऐतिहासिक कारण बताए गए, विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शिक्षकों द्वारा गुरु वशिष्ठ, संदिपनी द्रोणाचार्य के चरित्र एवं महिमा का वर्णन कर राम कृष्ण अर्जुन के अपने गुरु के प्रति समर्पण और मर्यादा पूर्वक ज्ञान अर्जन कर बताये मार्ग पर चल सफल हुए। बच्चों ने गुरु पर निबंध लेखन का कार्य भी किया।

प्रचीन कबीर कुटी तरेकेला में गुरु पूर्णिमा मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। प्राटीन कबीर कुटी तरेकेला मे गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सदगुरू कबीर साहेब जी का आरती कर, एक पेड़ मां के नाम के तहत आश्रम परिसर में श्री चंदन का वृक्षारोपण कर संत लखन मुनि साहेब का जन्म दिवस मनाया गया। लखनमुनि साहेब के जन्म दिवस पर सदुरु कबीर आश्रम तरेकेला पहुंच कर सामाजिक प्रमुख व पत्रकारों ने बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सेवक दास दीवान संपादक रिपोर्टर क्रांति, जर्नलिस्ट प्रकाश सिन्हा,आर के दास, अभय धृतलहरे, मनहरण सोनवानी ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। संत लखन मुनि साहेब ने बताया कि गुरु की महिमा अपरम्पार है। माता पिता के बाद गुरु ही भविष्य को संवारता है। गुरु कुम्हार शिष्य कुंभ है गढ़ गढ़ काढ़ै कोट, अंतर हाथ संहार दै, बाहर मारै चोट जीवन मे हम जो भी सीखते हैं हम गुरु से सीखते हैं। गुरु के अभाव मे ज्ञान ,विज्ञान, अनुसंधान, धर्म आध्यात्म प्राप्त करना असम्भव है। इसलिए सदैव माता पिता एवं परम पूज्य गुरुदेव का सदैव सम्मान करें।

दुर्ग। स्वच्छ तहसील परिसर दुर्ग में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर फूलों का पौधा रोपण किया गया जिसमें तहसील परिसर के स्टांप विक्रेता एवं दस्तावेज लेखक अर्जी निवेश एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोलिहादेवरी में निर्वाचन प्रक्रिया से छात्र परिषद का गठन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोलिहादेवरी मे निर्वाचन प्रक्रिया के तहत छात्र परिषद का गठन किया गया। निर्वाचन नियमों के अनुसार नामांकन, नाम वापसी एवं मतदान के द्वारा विद्यालय में सभी पदों पर चुनाव सम्पन्न हुआ। विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया से रूबरू कराने हेतु दो टीम गठित की गई थी, जिसमें पीठासीन अधिकारी से लेकर सभी मतदान अधिकारी भी नियुक्त किया गया था। इस चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने मतदान हेतु दो बूथ बनाए गए थे । समस्त विद्यार्थियों ने अपने -अपने मत का प्रयोग करते हुए मतदान मे भाग लिया। जिसमें शालानायक - उमेश यादव, छात्रा प्रतिनिधि - भार्गवी डड़सेना, उप शालानायक - दीपेश बंजारा, क्रीड़ा सचिव - समीर बारिक, सांस्कृतिक सचिव - पुष्पा चौहान, अनुशासन सचिव - योगेश प्रधान, स्वच्छता सचिव- भगवती डड़सेना, पुस्तकालय सचिव- रितु प्रधान, इको क्लब सचिव- दीपिका भोई निर्वाचित हुए । सभी छात्रों ने मतदान प्रक्रिया में पूरे उत्साह एवं जोश के साथ भाग लिया। समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों को प्राचार्य एम .एल.मांझी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उक्त अवसर पर संस्था के प्राचार्य श्री मांझी ने सभी विद्यार्थियों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि, सभी पदाधिकारी गण पूरे सत्र भर शालेय विकास के कार्य में पूरे लगन एवं निष्ठा से कार्य करें । संपूर्ण निर्वाचन कार्य विद्यालय के छात्र संघ प्रभारी बी .के.भोई के निर्देशन पर संपन्न हुआ । इस दौरान सभी शिक्षक एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे ।

बसना विधानसभा संयोजक डॉ.एन अग्रवाल के आतिथ्य में गढ़फुलझर मे भाजपा कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। भाजपा मंडल का विस्तृत कार्यसमिति बैठक श्री रामचंडी मंदिर परिसर गढ़फुलझर में सम्पन्न हुआ। इस बैठक मे सर्व प्रथम समस्त पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर वन्देमातरम गीत के साथ वरिष्ठों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। गढ़फुलझर मंडल अध्यक्ष माधव साव द्वारा प्रस्तावना भाषण दिया गया। शोक प्रस्ताव लेकर मंडल के झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ संयोजक लक्ष्मीनारायण आर्य द्वारा मंडल के समस्त मृतात्मा जनसंघी कार्यकर्त्ता के प्रति संवेदना व्यक्त कर दो मिनट का (मौन धारण) श्रद्धांजलि प्रदान किया गया। सत्र के उद्घाटन भाषण मंडल गढ़फुलझर महामंत्री प्रहलाद साहू के द्वारा किया गया एवं माननीय नरेंद्र मोदी जी के तीसरे बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई प्रस्ताव मंडल महामंत्री नरेंद्र साहू पेंटर द्वारा किया गया ।

आगामी त्रि स्तरीय पंचायत चुनाव के विषय में पंचायत से पार्लियामेंट तक विषय पर जितेन्द्र त्रिपाठी ने आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिस प्रकार विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव लड़कर कार्यकर्ताओं ने विधायक और सांसद बनाया है ठीक उसी प्रकार त्रि स्तरीय पंचायत चुनाव में पंच सरपंच, पार्षद, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य और नगर पंचायत अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष और जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश और अनेक टिप्स दिए।

राजनीतिक प्रस्ताव जिला संयोजक नवीन कुमार साव के द्वारा वाचन किया गया। महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के मुख्य बिंदु का वाचन मंडल प्रभारी मंत्री प्रधान ने पढ़कर सुनाया। लोकसभा चुनाव विश्लेषण विधानसभा संयोजक वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. एन.के.अग्रवाल द्वारा किया गया।आगामी कार्ययोजना का वाचन क्षेत्र के जिलापंचायत सदस्य श्रीमती वृंदावती पांडे द्वारा किया गया, तत्पश्चात आभार भाषण बसना विधानसभा सोशल मीडिया प्रभारी एवं मंडल अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा नरहरी पोर्ते द्वारा किया गया ।कार्यक्रम के अंत मे राष्ट्रगान गाकर उक्त बैठक संम्पन्न हुआ। बैठक मे मुख्य रूप से मंडल गढ़फुलझर के सह प्रभारी झनकराम चौधरी ,चिकित्सा प्रकोष्ठ जिला संयोजक डॉ. सोमनाथ पांडे ,भाजयुमो अध्यक्ष अरविंद मिश्रा ,अनुसचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष नरहरी पोर्ते ,किसान मोर्चा अध्यक्ष तेजेन्द्र पटेल,पिछड़ावावर्ग मोर्चा अध्यक्ष संजय भोई ,अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष रामकुमार चौहान ,मंडल उपाध्यक्ष सुन्दरमणी मिश्रा ,मंडल मंत्री द्वय देवप्रसाद चौहान , गौरचन्द प्रधान ,भाजयुमो उपाध्यक्ष योगेश साहू , भाजयुमो महामंत्री राजेश कुमार साव ,अनुसूचित जाति मोर्चा महामंत्री बाबूलाल कांशी ,मंडल उपाध्यक्ष भरत सिंह ठाकुर ,गढफुलझर विधायक कार्यालय प्रभारी हरजिंदर सिह, रुषीराम साव,अजय बारीक,सियालाल रणबीरा, प्रहलाद बारीक,निराकार साव,रतन दास वैष्णव, मुरलीधर नायक,गजानन पांडे,राजेश कुमार साहू,कृष्ण चंद भोई,तरुण कुमार,खितिपति पटेल, संजय नायक,महेंद्र प्रधान,सहित ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्त्ता बंधु उपस्थित रहे ।

प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन जांजगीर चांपा में प्रदेश अध्यक्ष ने बसना तहसील महिला प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष सुमन यादव का शाल श्रीफल से सम्मान

बसना (समय दर्शन)। प्रदेश अध्यक्ष जगनीक यादव ने समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि समाजिक साथियों आप और हम साथ चलते चलते पंजीयन के 26वें वर्ष के पड़ाव पर पहुंच गए है।इन 26 वर्षों में छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज ने विभिन्न प्रकार के कठिनाईयों को सफलता पूर्वक पार कर समाज के सामाजिक एकता को बनाये रखने में सफलता हासिल किये हैं। विगत 26 वर्षों में छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज में संगठन के जिला/ तहसील/ ब्लाक/महानगर/ परिक्षेत्र/नगर/ इकाई के पदाधिकारियों सदस्यों ने हमारे पंजीयन क्रमांक 5066 को मजबूत और संगठित करने के लिए अपना अमूल्य योगदान प्रदान किये है जिसके फलस्वरूप पुरे छत्तीसगढ़ में सिर्फ यादव समाज में ही नहीं बल्कि सर्व समाज में अपना अमिट छाप छोड़ने में सफल हुए है। यह हमारे संगठन के लिए गर्व की बात है। अपने संगठन के समाजिक एकता के कारण छत्तीसगढ़ के हृदय स्थल रायपुर में स्थित केंद्रीय कार्यालय में 16 कमरे का सर्व सुविधायुक्त छात्रावास प्रारंभ करने में सफल हुए है। इस छात्रावास में हमारे समाज के 12 छात्रा और 7 छात्र नि: शुल्क विद्या अध्ययन कर रहे है। यह पावन पुनीत कार्य छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के शैक्षणिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा। समाज का मूल उद्देश्य एकता, शिक्षा, विकास के नारे के अनुकूल हमारा संगठन अपना समाजिक कार्य संचालित कर रहे है। 27 मार्च 2022 को महासमुंद बिरकोनी के चंडी मंदिर में छत्तीसगढ़ शासन के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल जी द्वारा किये गये घोषणा मधुबन धाम, मगरलोड, धमतरी, खल्लारी, सिरपुर, महासमुंद, चाम्पा जांजगीर, शिवरीनारायण, में 25 - 25 लाख से शापिंग काम्प्लेक्स, छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज का सामुदायिक भवन निर्माण एवं बलौदा बाजार में छात्रावास का निर्माण संगठन के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस उपलब्धि के लिए आप सभी को बहुत बहुत बधाई। इस वर्ष छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज के समाजिक संविधान का संशोधन प्रस्तावित है। पूर्व संविधान हमारे समाज के पूर्वजों ने बनाया था अब यह काम हमारे समाज के युवा पीढ़ी को करना है। इसलिए हम सभी जिला अध्यक्ष, महानगर ईकाई अध्यक्ष, तहसील, ब्लाक, परिक्षेत्र अध्यक्ष गण सभी मिलकर नया संविधान संशोधन कर समाज के एक रीति एक नीति का पालन समाज के नियम, कानून, कायदे बनाकर प्रदेश समिति को दिसंबर तक प्रेषित करें। जिसमें समाज के समाजिक एकता, शैक्षणिक विकास एवं राजनैतिक उद्देश्य की प्राप्ति का समावेश होगा। नियम बनाने के लिए समाज के रीति रिवाज या संस्कार को बनाये रखने का विशेष रूप से ध्यान रखेंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष जगनिक यादव ने बसना तहसील महिला प्रकोष्ठ श्रीमती सुमन यादव को शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया। मुख्य रूप बसना तहसील संरक्षक रंजीत यादव, बसना तहसील सचिव कुंजराम यादव, संगठन मंत्री गजानंद यादव,महिला प्रकोष्ठ संगठन मंत्री श्रीमती पुजा यादव, बसना तहसील मिडीया प्रभारी शिव यादव, उपस्थित रहे।

दुर्गापाली में गुरु पूर्णिमा मनाया गया

सागरपाली (समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्गापाली में छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार दिनांक 22/07/2024 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम में वक्ता के रूप में उपस्थित रघुराम पटेल सेवानिवृत व्याख्याता के द्वारा अपने उद्बोधन में प्राचीन शिक्षा व्यवस्था गुरुकुल और आज के शिक्षा व्यवस्था पर अपना विचार व्यक्त किए और छात्र छात्राओं को जीवन में गुरु की महत्ता पर अपने सारगर्भित उद्बोधन से लाभान्वित किया ,इसी कड़ी में मुख्य वक्ता के रूप में कन्हैया लाल पटेल पूर्व अध्यक्ष विद्यालय प्रबंध समिति दुर्गापाली एवं अध्यक्ष मां भगवती बहुद्देशीय गौशाला सोनपुरी (बलौदा) के द्वारा गुरु की महत्ता एवं प्राचीन शिक्षा व्यवस्था का भारतीय संस्कृति में महत्व एवं अन्य प्रेरणा दायक उद्बोधन के साथ वर्तमान युवा पीढ़ी के द्वारा नशा सेवन के दुष्परिणाम पर अपनी चिंता व्यक्त की उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता श्रीमती सीता सिंग एवं निमंकर पटेल प्रभारी प्राचार्य के द्वारा भी संबोधित किया , उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के व्याख्याता गण पुनीतलाल चौधरी,जयदेव साहू,राजेश कुमार पंडा, श्रीमती एकता शर्मा, अतिथि व्याख्याता अंगद कुमार अजगर, लवकुमार पटेल,केदार पटेल उपस्थित थे, कार्यक्रम संचालन शिवप्रसाद पटेल व्याख्याता के द्वारा किया गया।

बोरझरा नाला बंद होने से फसलों को नुकसान, किसान परेशान

- बोरसी वार्डवासियों ने विद्युत पोल को हटाने दिया आवेदन
- जनदर्शन में प्राप्त हुए 150 आवेदन

दुर्ग (समय दर्शन)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर एडीएम श्री अरविंद एक्का एवं अपर कलेक्टर बजरंग दुबे ने जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में आज 150 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंचे नगपुरा के किसानों ने बताया कि नगपुरा में जालबांधा मुख्य मार्ग में बोरझरा नाला है, जिसे कुछ किसानों ने नाले को बंद कर दिया है। नाला बंद होने के कारण कृषि भूमि में पानी भर गया है, जिससे फसलों को नुकसान होने की संभावना है। नाले को खोलने से फसलों के होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम भरदा दुर्ग निवासी ने स्वयं की भूमि पर अन्य व्यक्ति द्वारा बुआई किए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि निजी भूमि पर अन्य व्यक्ति द्वारा अरहर की खेती की जा रही है, जिसके कारण स्वयं के भूखंड पर मेरे द्वारा फसल नही लिया जा सका, इसके द्वारा पिछले वर्ष भी यह कृत्य किया गया था। जिस पर सरपंच, कोटवार और ग्रामीणों की मौजूदगी में अन्य व्यक्ति द्वारा कृत्य की पुर्नवृत्ति नही करने का कथन किया गया था, परंतु उसका अवैधानिक कृत्य आज भी जारी है, जिसके कारण उनको आर्थिक एवं मानसिक प्रताड़ना हो रही है। इस पर अपर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

बोरसी वार्डवासियों ने विद्युत पोल को हटाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि विद्युत पोल से बोरसी वार्डवासियों का घर लगा हुआ। पोल के पास ही मोहल्ले के बच्चों का खेलना-कूदना लगा रहता है एवं घर के बड़े बुजुर्गो का भी बैठना और आमजनता का भी आना जाना लगा रहता है। बरसात के दिनों में विद्युत पोल में करंट होने के कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इस संबंध में विद्युत मंडल में भी आवेदन दिया गया था। इस पर अपर कलेक्टर ने बिजली विभाग के अधिकारी को निरीक्षण कर तत्काल कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम पंचायत नगपुरा के सरपंच ने शिक्षक की मांग की। बच्चों के भविष्य को देखते हुए उन्होंने ग्राम नगपुरा में स्थित दो प्राथमिक शालों में शिक्षक के लिए आवेदन दिया, ताकि पढ़ाई सुचारू रूप से संचालित हो सके। इस पर अपर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24